www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, रविवार
14 जून 2026
वर्ष: 49
अंक: 52 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

पेपर लीक मुद्दे पर ऐक्टिव हुए राहुल गांधी

बीजेपी के खिलाफ खोलेंगे मोर्चा पटना में करेंगे स्टूडेंट सम्मेलन

पटना (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी देशभर में छात्रों और युवाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर छात्र सम्मेलन आयोजित करने जा रहे हैं। भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 11 जुलाई को पटना में राहुल गांधी छात्रों को संबोधित करेंगे। यह सम्मेलन शिक्षा व्यवस्था में सुधार, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित पेपर लीक और युवाओं के रोजगार संबंधी मुद्दों पर केंद्रित रहेगा। युवा कांग्रेस

के अनुसार सम्मेलन के माध्यम से छात्रों की समस्याओं और मांगों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में विशेष रूप से नीट सहित अन्य भर्ती एवं प्रवेश परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं, पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने जैसे विषय प्रमुख रहेंगे। राहुल गांधी का यह अभियान कई शहरों में आयोजित किया जा रहा है। इसकी शुरुआत 17 जून को कोटा से होगी।

आंधी-तूफान के साथ 'मौसम' की बड़ी मार

● राजस्थान में रेलवे स्टेशन का शेड उखड़कर ट्रैक पर गिरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी में प्री-मानसून एक्टिव हो गया है। शनिवार सुबह कानपुर-अयोध्या, उन्नाव समेत 25 शहरों में बारिश हुई। वाराणसी में दोपहर में तूफान आया। इससे होर्डिंग उड़ गई। लखनऊ में तेज आंधी आई, दिन में अंधेरा छा गया। हाथरस में बारिश के चलते कोतवाली सदर में पानी भर गया।

सड़कें डूब गईं। राजस्थान में शुक्रवार को बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, सीकर और चूरू के कई इलाकों में हवा के साथ बारिश हुई। चूरू के श्रीमकड़ीनाथ रेलवे स्टेशन पर लगा टिनशेड अंधड़ से रेलवे ट्रैक पर गिर गया। इससे ट्रेनें लेट हो गई। दिल्ली में शनिवार सुबह बारिश के चलते कई फ्लाइट्स लेट हुईं। इंडिगो एयरलाइंस ने एक्स पर पोस्ट करके कहा-खराब मौसम की वजह से उड़ानों के समय पर असर पड़ा है। मानसून की झारखंड और ओडिशा के कुछ हिस्सों में एंट्री हो गई।

बेटी तो बेटी होती है...

अखिलेश की बेटी के अपमान पर भड़के योगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की बेटी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी को लेकर प्रदेश में माहौल गर्म है। समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने इस मुद्दे को लेकर शुक्रवार को प्रदेश के अलग-अलग जिलों में प्रदर्शन कर अपने गुस्से का इजहार किया। सपा प्रमुख की बेटी के खिलाफ की गई टिप्पणी पर सपा ही नहीं भाजपा

और अन्य राजनीतिक दलों के नेता-कार्यकर्ता भी मुखर विरोध जता रहे हैं। वहीं शनिवार को अखिलेश यादव के निर्वाचन क्षेत्र आजमगढ़ पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी पहली बार सार्वजनिक रूप से इसे लेकर अपना गुस्सा जाहिर किया। सीएम योगी ने कहा कि बेटी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी कतई स्वीकार्य नहीं है। इसके साथ ही सीएम ने सपा प्रमुख को नसीहत भी दी। उन्होंने कहा कि जरूरत है कि सपा प्रमुख भी अपने लोगों को संस्कारित करें। उन्हें बताना चाहिए कि उनके लोग भी दूसरों की बेटियों का ध्यान रखें।

481 भारतीय और 16 मित्र देशों के 34 विदेशी कैडेट बनें सैन्य अधिकारी, 9 महिला कैडेटों ने रचा इतिहास

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने की पासिंग आउट परेड की समीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : देश की राष्ट्रपति एवं सशस्त्र सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर श्रीमती द्रौपदी मुर्मू शनिवार को देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में आयोजित पासिंग आउट परेड (पीओपी) में मुख्य अतिथि एवं समीक्षा अधिकारी के रूप में शामिल हुईं। राष्ट्रपति ने भारतीय सैन्य अकादमी के 158वें नियमित तथा 141वें तकनीकी स्नातक पाठ्यक्रम की भव्य पासिंग आउट परेड की समीक्षा की।

अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने पास आउट होने वाले कैडेट्स को भारत माता की रक्षा के लिए कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि सैन्य अधिकारी केवल देश की सीमाओं के प्रहरी ही नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के विश्वास, सम्मान और आकांक्षाओं के भी संरक्षक हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि तेजी से बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य और तकनीकी प्रगति के इस दौर में भारतीय सेना को निरंतर नवाचार, आधुनिकता और अनुकूलनशीलता के साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने युवा अधिकारियों से अग्रिम मोर्चे से नेतृत्व करने, उच्च नैतिक मूल्यों का पालन करने तथा सैनिकों के कल्याण और सैन्य प्रभावशीलता के बीच संतुलन स्थापित

करने का आह्वान किया। राष्ट्रपति ने सभी नव नियुक्त सैन्य अधिकारियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे राष्ट्र की सुरक्षा, सम्मान और अखंडता की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर उत्तराखण्ड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, भारतीय सैन्य अकादमी के समादेशक लेफ्टिनेंट जनरल नागेन्द्र सिंह सहित सैन्य एवं नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि

इस वर्ष की पासिंग आउट परेड की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता 9 महिला कैडेटों का सफलता पूर्वक पास आउट होना रहा। भारतीय सैन्य अकादमी के इतिहास में यह एक ऐतिहासिक पड़ाव है, जो महिला-नेतृत्व वाले विकास तथा सशक्त भारत की अवधारणा को नई ऊर्जा प्रदान करता है।

34 विदेशी कैडेट हुए पास आउट

परेड में 481 भारतीय कैडेटों के साथ 16 मित्र देशों के 34 विदेशी कैडेट भी पास आउट हुए। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने इसे भारत की वैश्विक मित्रता, आपसी विश्वास तथा अंतरराष्ट्रीय रक्षा सहयोग के बढ़ते आयामों का प्रतीक बताया।

असम के जोरहाट में एयरफोर्स का विमान क्रैश

● पांच जवान शहीद, कोर्ट ऑफ इंक्वायरी' के आदेश ● लैंडिंग के दौरान विमान में लगी आग, दो हिस्सों में टूटा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के जोरहाट में वायुसेना के एएन-32 विमान दुर्घटना में पांच वायुसेना के पांच जवान शहीद हुए हैं। वायुसेना का विमान क्रैश होने पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दुख व्यक्त किया है। रक्षा मंत्री ने अपने संदेश में लिखा है कि स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीर वायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीर वायु दानिश आलम ने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया। देश उनके साहस और सेवा को हमेशा गर्व और कृतज्ञता के साथ याद

रखेगा। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। दुख की इस घड़ी में देश मजबूती से उनके साथ खड़ा है। गौरतलब हो कि यह घटना तब हुई जब विमान रोवरिया क्षेत्र स्थित वायुसेना स्टेशन में उतर रहा था।

'कोर्ट ऑफ इंक्वायरी' के आदेश

भारतीय वायुसेना के एएन-32 विमान के असम के जोरहाट जिले में उतरते समय शनिवार को दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों का पता लगाने के लिए 'कोर्ट ऑफ इंक्वायरी' के आदेश दिए गए हैं। वायुसेना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक 'पोस्ट' में कहा है कि आईएएफ (भारतीय वायुसेना) का एक एएन-32 विमान जोरहाट में उतरते समय आज दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए टीम गठित हो रही है।

सुबह 10 बजे हुआ था हादसा

शनिवार सुबह लगभग 10.00 बजे असम के जोरहाट में एक नियमित उड़ान के दौरान एएन-32 विमान का एक्सीडेंट हो गया। प्रारंभिक रिपोर्ट में यह कहा गया है कि विमान में लैंडिंग के दौरान आग लगी है। इसके बाद वह दो हिस्सों में टूट गया। क्रैश की सूचना पहुंची दमकल ने तुरंत आग बुझाई लेकिन वायुसेना ने अपने पांच जांबाज सैनिक खो दिए। इस विमान का भारत में लंबा इतिहास रहा है, लेकिन 1986 से अब तक इस श्रेणी के विमानों के साथ 20 से अधिक दुर्घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार हादसे के समय दृश्यता लगभग 200 मीटर साफ थी, इसलिए केवल मौसम को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। जांच टीम तकनीकी खराबी या रखरखाव से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है। यह दुर्घटना 13 जून 2026 को सुबह लगभग 10.00 बजे असम के जोरहाट एयरफोर्स स्टेशन (रोवरिया हवाई अड्डा) के परिसर के भीतर हुई। विमान अपनी नियमित उड़ान पूरी करने के बाद जोरहाट एयरफील्ड पर उतरने का प्रयास कर रहा था। तभी अचानक विमान का संतुलन बिगड़ गया और वह निर्दिष्ट हवाई पट्टी से भटक कर क्रैश हो गया। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि विमान बीच से टूट गया।

● जनरल उपेंद्र द्विवेदी की जगह लेंगे, दो महीने पहले उप सेना प्रमुख बने थे

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ होंगे अगले सेना प्रमुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को अगला सेनाध्यक्ष (चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ) नियुक्त किया है। जनरल सेठ अभी उप सेना प्रमुख (वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ) के पद पर कार्यरत हैं। वह 30 जून, 2026 से अपना पद संभालेंगे। वे जनरल उपेंद्र द्विवेदी की जगह लेंगे, जिन्होंने जून 2024 में 30वें थल सेना प्रमुख के तौर पर कार्यभार संभाला था। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ भारतीय सेना के सबसे अनुभवी आर्मर्ड कॉर्प्स अधिकारियों में से एक हैं और उन्हें सेवा

में लगभग चार दशक का अनुभव है। खड़कवासला स्थित नेशनल डिफेंस एकेडमी से ग्रेजुएशन के बाद, दिसंबर 1986 में उन्हें आर्मर्ड कॉर्प्स में कमीशन मिला था।

● फोर्स के आधुनिकीकरण में है योगदान - फोर्स के आधुनिकीकरण में अपने योगदान के लिए पहचाने जाने वाले जनरल सेठ ने आर्मी हेडक्वार्टर के रणनीतिक योजना और क्षमता विकास विभागों में अहम पदों पर काम किया है। उन्होंने इसके आधुनिकीकरण की दिशा, क्षमता रोडमैप और लंबे समय के लिए फोर्स की संरचना से जुड़ी पहलों को आकार दिया है। ऑपरेशनल जरूरतों को नई तकनीकों और भविष्य के युद्धक्षेत्र की जरूरतों के साथ जोड़ने में उनका योगदान बहुत अहम रहा है। एक कुशल सैन्य पेशेवर, लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने पेशेवर सैन्य शिक्षा में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया है और ट्रेनिंग कोर्स में टॉप स्थान हासिल किए हैं।

कई मोर्चों पर संभाल चुके हैं जिम्मेदारी

अपने शानदार करियर के दौरान, लेफ्टिनेंट जनरल सेठ ने आर्मर्ड रेजिमेंट और ब्रिगेड से लेकर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद-रोधी फोर्स तक कई यूनिट्स की कमान संभाली है। उन्होंने सुदर्शन चक्र कॉर्प्स का नेतृत्व भी किया है और साउथ वेस्टर्न व सदर्न कमांड दोनों की कमान संभाली है। रक्षा मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के मुताबिक आर्मी कमांडर बनने पर जनरल सेठ ने साउथ वेस्टर्न कमांड और सदर्न कमांड की कमान संभाली। उन्हें दो ऑपरेशनल आर्मी कमांड की कमान संभालने और ढाई साल से ज्यादा समय तक अहम इलाकों में रणनीतिक देखरेख करने का दुर्लभ सम्मान मिला।

दो महिला अफसरों के विवाद में फंसा सुप्रीम कोर्ट

● रिटायर्ड जज से कहा-आईएएस रोहिणी और आईपीएस रूपा में कराएं सुलह ● कहा-आपसी लड़ाई में अपना कैरियर बर्बाद कर रही हैं दोनों महिला अफसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने रिटायर्ड जज जस्टिस कुरियन जोसेफ से आग्रह किया है कि वे आईएएस अफसर रोहिणी सिंदुरी और आईपीएस रूपा मुदगिल के बीच चल रहे लंबे कानूनी विवाद में बीच-बचाव करें और इसका कोई स्थायी समाधान निकालें। जस्टिस जोसेफ के सामने ये दोनों महिला अधिकारी जुलाई में पेश होंगी।

जुलाई में जस्टिस कुरियन जोसेफ करेंगे सुनवाई

- सुप्रीम कोर्ट ने दोनों अफसरों से जुलाई में जस्टिस (रिटायर्ड) जोसेफ के सामने पेश होने का निर्देश दिया है।
- सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट में दोनों की ओर से एक-दूसरे के खिलाफ चल रहे मानहानि के मुकदमों की कार्यवाही पर भी रोक लगा दी है।
- आईएएस रोहिणी और आईपीएस रूपा के बीच है लंबे समय से विवाद है।

● कर्नाटक कैडर की महिला अफसरों का विवाद- आईएएस रोहिणी सिंदुरी और आईपीएस रूपा मुदगिल दोनों ही कर्नाटक कैडर की ऑल इंडिया सर्विसेज की अधिकारी हैं और पिछले तीन वर्षों से एक-दूसरे के खिलाफ मानहानि का मुकदमा लड़ रही हैं। दोनों के बीच इस झगड़े की शुरुआत 2023 में एक सार्वजनिक बहस से शुरू हुई थी। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज जोसेफ कुरियन से मध्यस्थता का आग्रह जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस संजीव सचदेवा की बेंच ने की है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने दोनों वरिष्ठ महिला अधिकारियों के बीच चल रही कानूनी लड़ाई को लेकर कहा कि ये अपना ही कैरियर बर्बाद कर रही हैं। बेंच ने दोनों अफसरों के वकीलों से कहा कि इनके बीच झगड़े का समाधान मध्यस्थता के माध्यम से निकालने की संभावना तलाशें।

30 करोड़ वोटर कार्ड से हटेंगे धुंधले फोटो

● चुनाव आयोग का घर-घर अभियान अब अंतिम दौर में पहुंचा

मकान नंबर की जगह '00' नहीं लिखा जाएगा, पता दर्ज होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। निर्वाचन आयोग घर-घर जाकर वोटरों की पहचान करने के अंतिम दौर में पहुंच रहा है। अब बचे हुए 39 करोड़ 73 लाख वोटर्स के दरवाजे पर दस्तक देने की तैयारी है। इस बीच एक निजी अखबार ने पड़ताल की कि स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के बाद मतदाता फोटो पहचान

कार्ड यानी एपिक में क्या बड़े बदलाव आए हैं। एसआईआर के बाद अब तक तैयार 59 करोड़ मतदाताओं के फोटो न सिर्फ हाल ही के हैं बल्कि रंगीन भी हैं। चुनाव आयोग के 9 लाख 20 हजार से ज्यादा बूथ लेवल अफसरों (बीएलओ) ने मोबाइल से वोटरों के फोटो उनके पहचान पत्र के साथ जोड़कर मतदाता सूची को साफ-सुथरा बनाया है। इसके लिए ईसी ने कोई फीस नहीं ली।

● पहले कार्ड में फोटो नहीं थे, या फिर बहुत धुंधले- पहले दौर में बिहार और सेकेंड फेज के 12 राज्यों के वोटर्स की घर-घर जाकर पुष्टि के बाद 59 करोड़ वोटरों के नए पहचान पत्र बने हैं। इनमें सबसे बड़ा बदलाव कार्ड की फोटो का है। पहले के करीब 30 फीसदी वोटर कार्ड में फोटो थे ही नहीं। किसी में तो इतने धुंधले थे कि पहचानना मुश्किल था। वजह ये कि संविधान में फोटो आईडी कार्ड का जिक्र ही नहीं है। ऐसे में फोटो के लिए मतदाता को बाध्य नहीं किया जा सकता था। पड़ताल से पता चला कि करीब 30 करोड़ फोटो नदारद, धुंधले, पुराने या पहचान से परे थे। जो फोटो थे वे 20-30 साल पुराने थे।

● अभिषेक बनर्जी के खिलाफ सबसे बड़ी बगावत

आधी रात टूटा दरवाजा, अब पार्टी पर संकट!

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद जब सड़कों पर तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के खिलाफ चोर-चोर के नारे गूंजे थे, तभी यह स्पष्ट हो गया था कि पार्टी और उसके नेतृत्व के लिए आने वाला समय बेहद चुनौतीपूर्ण होने वाला है। कभी पश्चिम बंगाल की राजनीति में अजेय मानी जाने वाली टीएमसी आज अपने सबसे बड़े अंदरूनी और बाहरी संकट से गुजर रही है।

'साइनगेट' का साया

कालीघाट आवास पर हुई यह छापेमारी कोई अकेली घटना नहीं है। ठीक दो दिन पहले ही पश्चिम बंगाल अपराध अन्वेषण विभाग ने राज्य विधानसभा से जुड़े बहुचर्चित जाली हस्ताक्षर मामले (जिसे साइनगेट कहा जा रहा है) में अभिषेक बनर्जी से लंबी पूछताछ की थी। यह मामला एक ऐसे समय में सामने आया है जब अभिषेक को कई जांच एजेंसियों द्वारा लगातार नए समन भेजे जा रहे हैं। जब ममता-अभिषेक की टीम अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है, तभी राज्य में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक और बड़ा धमाका कर दिया है।

उत्तराखण्ड बनेगा साहसिक खेलों और पर्यटन का प्रमुख केंद्र : धामी

मुख्यमंत्री ने गदरपुर में अंतर्राष्ट्रीय क्याकिंग एवं कैनोइंग प्रतियोगिता की तैयारियों का लिया जायजा

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को ऊधम सिंह नगर जनपद के गदरपुर क्षेत्र में आयोजित होने वाली अंतर्राष्ट्रीय क्याकिंग एवं कैनोइंग प्रतियोगिता की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने आयोजन स्थल पर पहुंचकर प्रतियोगिता से संबंधित विभिन्न तैयारियों, खिलाड़ियों के लिए की जा रही सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था, तकनीकी व्यवस्थाओं, आवागमन, ठहरने की व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक प्रबंधों का बारीकी से निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए सभी तैयारियां निर्धारित मानकों के अनुरूप समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाएं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, निर्णायकों एवं देश-विदेश से आने वाले प्रतिभागियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने स्वयं भी वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियों का अनुभव लिया और कहा कि उत्तराखण्ड में साहसिक खेलों की अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

शूटर जसपाल को अंतिम विदाई देने उमड़े लोग

देहरादून। शूटर जसपाल राणा को शनिवार को उनके प्रेमनगर पौंधा स्थित आवास में नम आंखों से अंतिम विदाई दी गई। उनका शव एयर एम्बुलेंस से जौलीग्रांट से काशी ले जाया गया। इससे पहले उनके निवास पर राजनीतिक हस्तियों, खेल प्रेमियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। शुक्रवार को दिल्ली में उपचार के दौरान राणा का निधन हो गया था। शुक्रवार को ही उनका शव देहरादून लाया गया था। रात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी थी। शनिवार सुबह से ही उनके घर पर श्रद्धांजलि देने वालों की भीड़ लगी। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी, पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत, पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, कैबिनेट मंत्री खजान दास, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रीतम सिंह, कांग्रेस नेता लालचंद शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि उनके पौंधा स्थित आवास पहुंचे और दिवंगत निशानेबाज को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।सुबह करीब 11 बजे पौंधा स्थित आवास से उनकी अंतिम यात्रा शुरू हुई। पार्थिव शरीर को सड़क मार्ग से जौलीग्रांट एयरपोर्ट ले जाया गया, जहां से दोपहर करीब डेढ़ बजे एयर एम्बुलेंस के जरिए अंतिम संस्कार के लिए वाराणसी रवाना किया गया।

तेज तूफान से स्कूल के ऊपर पेड़ गिरा, मकान की छत उड़ी

उत्तरकाशी। क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर बाद आए तेज तूफान और बारिश ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में नुकसान पहुंचाया। पुरोला क्षेत्र में जहां एक मकान की छत पूरी तरह उड़ गई, वहीं जिला मुख्यालय के निकट बसूंगा गांव में एक भारी-भरकम चीड़ का पेड़ स्कूल भवन पर गिरने से स्कूल की छत क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि दोनों घटनाओं में किसी प्रकार की जनहानि या पशुहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय के समीप स्थित बसूंगा गांव में शुक्रवार शाम एक विशाल चीड़ का पेड़ राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय भवन के ऊपर गिर गया। इससे स्कूल की छत बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पेड़ गिरने के कारण साल्ड-बसूंगा मोटरमार्ग भी कुछ समय के लिए यातायात के लिए बाधित रहा जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बाद में मार्ग को सुचारु करने की कार्रवाई की गई। ग्रामीणों ने बताया कि पेड़ गिरने से स्कूल भवन को नुकसान पहुंचा है लेकिन किसी व्यक्ति या पशु को कोई क्षति नहीं पहुंची। वहीं, विकासखंड पुरोला की कोरोना ग्राम सभा के ठकराड़ी गांव में तेज आंधी के चलते सकल दास पुत्र फुलक दास के मकान की छत उड़ गई। घटना के समय परिवार में अफरा-तफरी मच गई लेकिन सभी सदस्य सुरक्षित रहे। सूचना

मिलते ही राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और नुकसान का आकलन शुरू कर दिया। टीम की ओर से विस्तृत सर्वे कर रिपोर्ट तैयार की जा रही है। उपजिलाधिकारी मुकेश रमोला ने बताया कि क्षति की रिपोर्ट मिलने के बाद प्रभावित परिवार को शासन के नियमानुसार राहत सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। लगातार बदल रहे मौसम और तेज हवाओं के बीच प्रशासन ने लोगों से सतर्कता बरतने तथा खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने को कहा है।

संक्षिप्त समाचार

आयुर्वेदिक चिकित्सकों ने कार्यबहिष्कार कर प्रदर्शन किया

उत्तरकाशी। अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर यमुना घाटी के आयुर्वेदिक चिकित्सकों ने शनिवार को धरना-प्रदर्शन किया। उन्होंने ओपीडी का पूरी तरह बहिष्कार रखा। राजकीय आयुर्वेदिक एवं पंचकर्म चिकित्सालय बड़कोट में आयोजित प्रदर्शन के दौरान चिकित्सकों ने सरकार से सात सूत्रीय मांगों पर जल्द सकारात्मक कार्यवाही करने की मांग की।धरना प्रदर्शन में शामिल चिकित्सकों ने आयुर्वेदिक चिकित्साधिकारी संवर्ग के लिए निदेशक की नियुक्ति, डीएसीपी का लाभ प्रदान करने, विभागीय ढांचे के पुनर्गठन, लंबित अधिनियमों का लाभ देने, वर्ष 2024 बैच के चिकित्साधिकारियों का स्थायीकरण, सेवा अवधि के दौरान स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए अध्ययन अवकाश एवं पूर्ण वेतन की व्यवस्था और मोबाइल ऐप एवं आधार आधारित बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली से उत्पन्न समस्याओं के समाधान की मांग की। चिकित्सकों का कहना था कि लंबे समय से उनकी मांगें लंबित हैं, जिससे संवर्ग के अधिकारियों में असंतोष व्याप्त है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर जल्द ही सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। धरना प्रदर्शन में जिला अध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र चंद, सचिव डॉ. विनोद धौनी, प्रभारी पंचकर्म चिकित्सालय बड़कोट डॉ. मनमोहन राणा, डॉ. भगवान सिंह, डॉ. गुरुदयालन नेगी, डॉ. नितेश नौटियाल, डॉ. स्वाती, डॉ. विजयकांत, डॉ. संदीप, डॉ. लवेंद्र, डॉ. जय प्रकाश और डॉ. वंदना चौहान आदि मौजूद रहे।

मसूरी सरकारी अस्पताल से मरीज को दून रेफर करने पर प्रदर्शन

देहरादून। देव भूमि जन कल्याण विकास एकता समिति मसूरी ने मसूरी के उप जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री से मसूरी में चिकित्सालय को रेफर सेंटर बनाने से रोकने की मांग की। शहीद भगत सिंह चौक पर देव भूमि जन कल्याण विकास एकता समिति ने प्रदर्शन किया और स्वास्थ्य मंत्री के खिलाफ नारेबाजी की। समिति के केंद्रीय अध्यक्ष प्रकाश राणा ने कहा कि मसूरी में बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं लेकिन उपजिला चिकित्सालय में किसी के बीमार होने पर उपचार नहीं हो पाता है। आरोप लगाया कि अस्पताल में ना ही उपकरण है व ना ही समय पर चिकित्सक मौजूद रहते हैं।

छोटी बीमारी पर भी देहरादून रेफर कर देते हैं। जबकि मसूरी में आस पास के ग्रामीण भी बड़ी संख्या में उपचार के लिए आते हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल को भी फोन किया था व मसूरी की स्थिति के बारे में बताया था। कहा कि उप जिला चिकित्सालय की हालात बहुत खराब है, व लोगों को उपचार के लिए देहरादून जाने को विवश होना पड़ता है। कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के आवास का घेराव कर प्रदर्शन किया जाएगा। इस मौके पर विजय जुगराण, राम किशन राही , तनमीत खालसा, विजय लक्ष्मी कोहली, सलीम अहमद, असलम खान, संगीता, संजय टम्टा, नफीसा सहित समिति के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

11 वर्षीय मासूम ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

काशीपुर। चकरपुर गांव में शनिवार सुबह एक हृदयविदारक घटना सामने आई। गांव की 11 वर्षीय एक बच्ची संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे पर लटकी मिली। घटना के बाद पूरे गांव में शोक और सन्नाटा पसरा हुआ है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह करीब 10:30 बजे पुलिस को सूचना मिली कि चकरपुर गांव में एक नाबालिग बच्ची ने फांसी लगा ली है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और परिजनों से पूछताछ की। परिजनों ने बताया कि बच्ची को फंदे पर लटका देख तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार बच्ची पिछले लगभग 15 दिनों से अस्वस्थ चल रही थी। हालांकि उसने यह कदम क्यों उठाया, इसका स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। एसएसआई विक्रम धामी ने बताया कि परिवार में केवल तीन सदस्य रहते हैं। मृतका के पिता दिहाड़ी मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं, जबकि मां गृहिणी हैं।

गुलदार के हमले में बाल-बाल बचा ग्रामीण

चम्पावत। बाराकोट के रैघांव में गुलदार ने एक युवक पर हमला कर दिया। हमले में युवक बाल-बाल बच गया। शोर मचाने पर गुलदार भाग गया। गुलदार के हमले से ग्रामीण दहशत में हैं। ग्रामीणों ने बताय कि मादा गुलदार तीन शावकों के साथ घूम रही है। जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि भवान कालाकोटी ने बताया कि शुक्रवार शाम हरीश सिंह (44) पुत्र राम सिंह निवासी सलानी तोक बाराकोट मजदूरी करने के बाद गांव की ओर लौट रहा था। इस दौरान कामाज्यूला और सिमलखेत के बीच गुलदार ने हरीश पर हमला बोल दिया। शोकर मचाने पर गुलदार भाग गया। हरीश के पैर में गुलदार के पंजे के निशान हैं।लोगों ने घटना की सूचना वन विभाग को दी। वन विभाग के रेंजर आरके जोशी ने बताया कि गुलदार प्रभावित क्षेत्र में टीम भेज दी गई है। घायल युवक का उपचार कर घर छोड़ा गया है। उन्होंने स्थानीय लोगों से सावधानी बरतने और बच्चों को अकेला न छोड़ने की अपील की गई है। ग्रामीणों ने बताया कि मादा गुलदार तीन शावकों के साथ क्षेत्र में विचरण कर रही है।

उत्तराखंड में 3 दिन येलो अलर्ट, कहां-कहां बारिश, तेज हवाएं भी चलेंगी

देहरादून। मौसम विभाग की मानें तो 19 जून तक दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और उत्तराखंड सहित विभिन्न राज्यों में हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रहेगा। 15 जून तक उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों के साथ ही कुछ मैदानी इलाकों में आंधी के साथ बारिश का अनुमान है। इसको लेकर येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। इस दौरान कुछ क्षेत्रों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से हवाएं भी चलेंगी। वहीं, अल नीनो प्रभाव सक्रिय होने के कारण देश के बाकी हिस्सों में मानसून की रफ्तार धीमी रहने का अनुमान है।

13 और 14 जून को इन जिलों में बारिश

मौसम विभाग ने 13 और 14 जून के लिए उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में कुछ जगहों पर आंधी-तूफान के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। हरिद्वार और उधम सिंह नगर जिलों में कुछ अलग-अलग जगहों पर आंधी-तूफान के साथ हल्की बारिश की संभावना है। कुछ जगहों पर आंधी और बारिश का येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। इस दौरान कुछ जगहों पर तेज हवाएं भी चलेंगी। हवा के झोंकों की स्पीड 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक जा सकती है।

15 जून को इन जिलों में बारिश का येलो अलर्ट

मौसम विभाग ने 15 जून को उत्तराखंड के

उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में कुछ जगहों पर बिजली चमकने और तेज हवाओं के साथ बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। हवा की स्पीड 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक देखी जा सकती है।

नैनीताल में उमड़ी सैलानियों की भीड़, सड़कों पर जाम

नैनीताल। पर्यटन सीजन, वीकेंड और कैंची धाम स्थापना दिवस के चलते पर्यटकों की भीड़ बढ़ने लगी है। शनिवार को नैनीताल-हल्द्वानी मार्ग पर कई जगह पर जाम लगा रहा। नैनीताल में बीते शुक्रवार से ही 70 फीसदी से अधिक होटल, होमस्टे और गेस्ट हाउस पैक हो चुके हैं। वीकेंड पर शनिवार को नैनीताल जू में 1600, वाटर फॉल में 1100 और केव गार्डन में 2000 से ज्यादा सैलानी आए। पर्यटकों की संख्या बढ़ने से मालरोड, बारापत्थर और भवाली रोड पर वाहनों का दबाव भी दिखा। मालरोड और नैनी झील के किनारे शाम होते-होते चहलकदमी चरम पर पहुंच गई। झील में नौकायन का लुत्फ उठाने को पर्यटकों की लंबी कतारें लगी रहीं। नैनीताल होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट ने बताया कि बीते शुक्रवार से ही शहर के 70 फीसदी से अधिक होटल और होमस्टे पैक हैं। नाव चालक समिति के अध्यक्ष राम सिंह बिष्ट ने कि बताया कि वीकेंड पर नौकायन के लिए सुबह से ही भीड़ रही। बीते शुक्रवार से ही पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई है ' दोपहर बाद नयना गांव से लेकर रूसी बाईपास तक सड़क के एक ओर वाहनों की लंबी कतारें दिखाई दी।

1 जुलाई तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले फार्म 6 जमा कराएं: डीएम

देहरादून। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने 1 जुलाई तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले नये पात्र नागरिकों के आवेदन फार्म-6 भी स्वीकार किए जा रहे हैं, ताकि वे मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकें।अब तक 6,60,308 मतदाताओं, अर्थात लगभग 47.96 प्रतिशत मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को आईटी पार्क, देहरादून में स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने मतदाता जागरूकता रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डीएम ने कहा कि जागरूकता रथ जनपद के विभिन्न वार्डों एवं क्षेत्रों में भ्रमण कर नागरिकों को विशेष पुनरीक्षण अभियान की जानकारी देंगे तथा पात्र नागरिकों को अपना नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए प्रेरित करेंगे। डीएम ने जनप्रतिनिधियों, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा आम नागरिकों से विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग की अपील की। अभियान 7 जुलाई तक संचालित किया जा रहा है। इस दौरान सभी पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े जाएंगे, जबकि मृत, स्थानांतरित, अनुपस्थित एवं डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाएंगे।

हुड़के की थाप से गूंजते थे खेत, अब खामोश होती जा रही है कुमाऊँ की हुड़किया बौल परंपरा

बागेश्वर। उत्तराखंड के कुमाऊँ अंचल में इन दिनों धान की रोपाई का मौसम अपने चरम पर है। पहाड़ों पर बरसात की फुहारों के बीच सीढ़ीनुमा खेतों में धान की पौध रोपती महिलाओं की तस्वीरें आज भी ग्रामीण जीवन की सुंदरता को जीवंत करती हैं। लेकिन इस दृश्य का एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक पक्ष, जो कभी इन खेतों की पहचान हुआ करता था, अब धीरे-धीरे स्मृतियों में सिमटता जा रहा है। यह परंपरा है ह्यहुड़किया बौलह्न की, जिसने सदियों तक कुमाऊँकी कृषि संस्कृति, लोककला और सामाजिक एकता को जीवित रखा।

एक समय था जब धान की रोपाई केवल कृषि कार्य नहीं, बल्कि पूरे गांव का सामूहिक उत्सव हुआ करती थी। आज से दस-पंद्रह वर्ष पहले तक अधिकांश गांवों में रोपाई का स्वरूप बिल्कुल अलग था। पूरे गांव में एक समय पर केवल एक ही परिवार के खेतों में रोपाई होती थी। कृषि भूमि अधिक थी और काम भी बड़ा होता था, इसलिए गांव के सभी लोग मिलकर एक-दूसरे के खेतों में श्रमदान करते थे। खेतों में महिलाओं की लंबी कतारें होती थीं और उनके बीच खड़ा एक लोकगायक अपने हाथ में हुड़का लेकर मधुर स्वर में हुड़किया बौल गाता था। हुड़का, कुमाऊँ का एक पारंपरिक वाद्ययंत्र है, जिसकी थाप खेतों और घाटियों में दूर तक गूंजती थी। हुड़किया द्वारा गाए जाने वाले गीतों में प्रकृति, ऋतु परिवर्तन, लोकदेवताओं, प्रेम, विरह और ग्रामीण जीवन की अनेक भावनाएं समाहित होती थीं। महिलाएं उन्हीं गीतों की लय पर रोपाई करती थीं। गीत-संगीत के इस वातावरण में न थकान का एहसास होता था और न ही समय का पता चलता था। कठिन से कठिन श्रम भी उत्सव जैसा प्रतीत होता था और रोपाई का कार्य समय पर पूर्ण हो जाता था। उस दौर की सबसे बड़ी विशेषता केवल सामूहिक श्रम नहीं, बल्कि सामाजिक आत्मीयता थी। जिस परिवार के खेत में रोपाई होती थी, उस दिन पूरे गांव के लोग सुबह का नाश्ता और दोपहर का भोजन उसी परिवार के घर पर करते थे। घर-आंगन लोगों से भरे रहते थे, बच्चों की चहल-पहल होती थी और बुजुर्गों की मौजूदगी पूरे वातावरण को पारिवारिक बना देती थी। यह परंपरा केवल खेती तक सीमित नहीं थी, बल्कि आपसी प्रेम, सहयोग, भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत करने का माध्यम भी थी। लोकसंस्कृति के जानकार मानते हैं कि हुड़किया बौल केवल गीतों का संग्रह नहीं, बल्कि पहाड़ के जनजीवन का जीवंत दस्तावेज है। इन गीतों में उस समय की सामाजिक परिस्थितियां, लोकविश्वास, धार्मिक आस्थाएं और ग्रामीण समाज की संवेदनाएं सुरक्षित हैं। यही कारण है कि इन्हें कुमाऊँकी अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर माना जाता है। लेकिन समय के साथ यह तस्वीर तेजी से बदल गई है। भूमि बंटवारे के कारण खेत छोटे हो गए हैं और अब एक ही दिन में कई परिवारों की रोपाई होने लगी है। पहले जहां पूरा गांव एक परिवार के खेत में जुटता था, वहीं आज लोग अपने-अपने खेतों के कार्यों में इतने व्यस्त हैं कि कई बार स्वयं भी समय पर भोजन नहीं कर पाते। सामूहिक श्रम की परंपरा कमजोर पड़ गई है और उसके साथ ही हुड़किया बौल की मधुर स्वर लहरियां भी खेतों से लगभग गायब हो गई हैं।

साहिया बाजार में आड़े-तिरछे वाहनों से लगा जाम

विकासनगर। पर्यटन नगरी चकराता के मुख्य मार्ग पर स्थित साहिया बाजार में बढ़ती जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए पुलिस ने सख्त रुख अपना लिया है। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद साहिया चौकी प्रभारी नीरज कठैत ने शनिवार को पुलिस टीम के साथ बाजार क्षेत्र का निरीक्षण कर सड़क किनारे अव्यवस्थित और अवैध रूप से खड़े वाहनों के चालकों को कड़ी चेतावनी दी। निरीक्षण के दौरान चौकी प्रभारी ने स्पष्ट कहा कि सड़क पर बेवजह वाहन खड़ा करना यातायात नियमों का उल्लंघन है और इससे जाम की स्थिति उत्पन्न होती है। उन्होंने वाहन चालकों को निर्देश दिए कि अपने वाहन केवल निर्धारित स्थानों पर ही खड़े करें। पुलिस ने चेतावनी दी है कि भविष्य में यदि कोई वाहन चालक सड़क पर गलत तरीके से वाहन खड़ा करता पाया गया तो उसके खिलाफ चालान के साथ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। अभियान के दौरान पुलिसकर्मी अमित चौधरी, राजेश रावत और दीपक तोमर समेत अन्य जवान मौजूद रहे। पार्किंग के अभाव में बढ़ रही समस्याः साहिया क्षेत्र कई गांवों का प्रमुख बाजार है। इसके अलावा चकराता और अन्य पर्यटन स्थलों की ओर जाने वाले पर्यटक भी इसी मार्ग से गुजरते हैं। क्षेत्र में इंटर कॉलेज, प्राथमिक विद्यालय, बैंक, कृषि मंडी और अस्पताल होने के कारण दिनभर लोगों की आवाजाही बनी रहती है।

परीक्षा संपन्न कराने को पुलिस अलर्ट

बागेश्वर। 14 जून को होने वाली उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) की स्नातक स्तरीय परीक्षा को निष्पक्ष एवं नकलविहीन संपन्न कराने के लिए बागेश्वर पुलिस ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। पुलिस अधीक्षक जितेंद्र मेहरा के निर्देशन में शनिवार को विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान सीसीटीवी कैमरों, जैमर और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच की गई। पुलिस ने बताया कि सभी केंद्रों पर व्यवस्थाएं सुचारु पाई गईं। परीक्षा की गोपनीयता बनाए रखने के लिए जैमर और बायोमेट्रिक सिस्टम से जुड़े तकनीकी कर्मचारियों का सत्यापन भी कराया जा रहा है।पुलिस प्रशासन ने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा।

कैंची मेले के लिए 350 बसें तैनात, दो दिन पहाड़ों की यात्रा रहेगी बाधित

हल्द्वानी। विश्व प्रसिद्ध कैंचीधाम मेले के चलते 14 और 15 जून को कुमाऊं और गढ़वाल के पर्वतीय क्षेत्रों की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था प्रभावित रहेगी। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए केमू और रोडवेज की करीब 350 से अधिक बसों को मेला ड्यूटी में लगाया है। इसके चलते कई नियमित पर्वतीय रूटों पर बस सेवाओं में कटौती कर दी गई है, जिससे स्थानीय यात्रियों और पर्यटकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

पर्यटन सीजन और वीकेंड के कारण इन दिनों नैनीताल, अल्मोड़ा, बागेश्वर, पिथौरागढ़, चम्पावत, कर्णप्रयाग और अन्य पर्वतीय जिलों में पर्यटकों की भारी आवाजाही रहती है। ऐसे समय में बसों की कमी से यात्रा प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है।

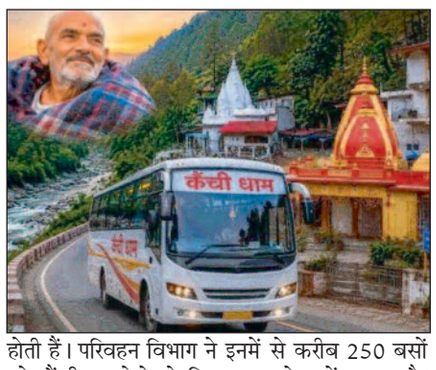

कुमाऊं की लाइफलाइन मानी जाने वाली कुमाऊं मोटर्स ऑनर्स यूनियन (केमू) की लगभग 400 बसें पूरे कुमाऊं और गढ़वाल के प्रमुख मार्गों पर संचालित

होती हैं। परिवहन विभाग ने इनमें से करीब 250 बसों को कैंचीधाम मेले के लिए शटल सेवा में लगाया है। इन बसों को 14 जून से निर्धारित शटल प्वाइंट पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। इसके कारण रविवार सुबह से ही पर्वतीय रूटों पर बसों की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है।

ऑपरेशन प्रहार में 21 ढोंगी बाबा गिरफ्तार, धर्म की आड़ में लोगों को कर रहे थे गुमराह

हरिद्वार। धर्मनगरी में साधु-संतों का भेष धारण कर लोगों की धार्मिक भावनाओं का फायदा उठाने के आरोप में नगर कोतवाली पुलिस ने 21 कथित ढोंगी बाबाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई की। आरोप है कि यह धर्म की आड़ में लोगों को झांसा देकर उनकी आस्था का लाभ उठाने का प्रयास कर रहे थे। अभियान के दौरान शहर कोतवाली पुलिस ने क्षेत्र में साधु-संतों के भेष में घूम रहे 21 व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। संतोषजनक उत्तर नहीं देने और संदिग्ध गतिविधियों के चलते सभी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में विभीषण पुत्र भुवनेश्वर निवासी बिहार, नारायण पुत्र विनोद कुमार

निवासी इटावा, राम बाबू पुत्र भागीरथ निवासी उज्जैन, बच्चू सिंह पुत्र माघ सिंह निवासी हरियाणा, नीरज पुत्र दलवीर निवासी हरियाणा, सुर्जन सिंह पुत्र रेशम सिंह निवासी हरियाणा, रोहित पुत्र स्व. ओमकार सिंह निवासी जलालाबाद, राम जन्म यादव पुत्र रामस्वरूप निवासी बिहार, जगीर सिंह पुत्र सोहनलाल निवासी जस्थान, अजब सिंह पुत्र रहतु निवासी शामली, रमेश पुत्र रामबहादुर निवासी साहगुहार जिला रामेसाहेब, पप्पू पुत्र स्व. धन्नू निवासी चोरारा निवाड़ी तथा रामपाल पुत्र बारू सिंह प्रजापति निवासी इंदिरा कॉलोनी मुजफ्फरनगर शामिल हैं। इसकी पुष्टि कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने की है।

ओवरस्पीडिंग और अवैध संचालन पर 312 वाहनों के चालान

देहरादून। चारधाम यात्रा और पर्यटन सीजन के दौरान सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग का विशेष इंटरसेप्टर अभियान लगातार जारी है। 9 जून से शुरू हुआ यह अभियान 15 जून तक देहरादून और हरिद्वार के प्रमुख मार्गों पर संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत ओवरस्पीडिंग, ओवरलोडिंग, बिना परमिट संचालन, अवैध पार्किंग और निजी वाहनों के व्यावसायिक उपयोग के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। परिवहन विभाग की इंटरसेप्टर टीमों ने प्रेमनगर-चंडी चौक, नेपाली फार्म-रानीपोखरी तथा आईएसबीटी-डोईवाला मार्गों पर व्यापक जांच अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान कुल 312 वाहनों के चालान किए गए, जबकि 19 वाहनों को सीज किया गया। जांच में 76 वाहन ओवरस्पीडिंग करते पाए गए, 50 वाहन गलत दिशा या गलत लेन में संचालित मिले। 36 वाहन बिना कर अदायगी, 16 बिना फिटनेस प्रमाणपत्र और 21 वाहन बिना परमिट के चलते पाए गए। निजी वाहनों का व्यावसायिक उपयोग करने वाले दो वाहनों को भी सीज किया गया।संभागीय परिवहन अधिकारी डॉ. अनीता चमोला ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और यातायात नियमों के उल्लंघन पर शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

एसआईआर के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : कलेक्ट्रेट में आयोजित समीक्षा बैठक में एडीएम एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी एफआर चौहान ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआ-ईआर) कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की। एडीएम ने भारत निर्वाचन आयोग और मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तराखंड के दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी एसडीएम, तहसीलदारों और अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को 17 जून तक गणना प्रपत्रों का शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एडीएम ने कहा कि निर्वाचन आयोग की तय समय सीमा के अनुसार कार्य पूरा किया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कम प्रगति वाले विधानसभा क्षेत्रों और बूथों पर संबंधित अधिकारियों को दैनिक निगरानी के साथ विशेष कार्य योजना बनाकर अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। बैठक में बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा किए जा रहे डिजिटाइजेशन कार्यों की भी समीक्षा की गई। एडीएम ने जिन बूथों पर डिजिटाइजेशन कार्य शुरू नहीं हुआ है, वहां इसे शीघ्र प्रारंभ कर गणना प्रपत्रों का वितरण पूरा करने को कहा। बैठक में सहायक निर्वाचन अधिकारी एसएल शाह और एडीआईओ एनआईसी हेमंत काला सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

ट्रेंचिंग ग्राउंड परियोजना जनहित में, विरोध की बजाय करें सहयोग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखंड विकास समिति ने कंचनपुरी (हल्दूखाता) में प्रस्तावित ट्रेंचिंग ग्राउंड परियोजना को जनहित और शहर के विकास के लिए आवश्यक बताते हुए लोगों से सहयोग की अपील की है। समिति का कहना है कि विकास परक योजनाओं का बिना पूरी जानकारी के विरोध करना उचित नहीं है। समिति के सह सचिव बृजमोहन ममगांई ने बताया कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की प्रभावी व्यवस्था जरूरी है। इसी उद्देश्य से कंचनपुरी में ट्रेंचिंग ग्राउंड का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि समिति के पदाधिकारियों ने चिह्नित स्थल का निरीक्षण कर परियोजना से संबंधित जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि ट्रेंचिंग ग्राउंड का निर्माण आधुनिक तकनीक और सुविधाओं के साथ किया जाएगा। साथ ही परियोजना में पर्यावरणीय मानकों और प्रदूषण नियंत्रण संबंधी सभी नियमों का पूर्ण रूप से पालन किया जाएगा, ताकि स्थानीय लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। समिति ने नगर निगम प्रशासन से आग्रह किया कि परियोजना की तकनीकी जानकारी और पर्यावरणीय पहलुओं को आमजन के समक्ष पारदर्शी तरीके से रखा जाए। इससे लोगों के बीच फैली भ्रांतियां दूर होंगी और परियोजना को लेकर सही जानकारी मिल सकेगी। बृजमोहन ममगांई ने कहा कि क्षेत्र की जनता को जनहित और विकास से जुड़ी योजनाओं में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ लोग परियोजना के सकारात्मक पहलुओं को जाने बिना विरोध कर रहे हैं, जिससे विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इस अवसर पर जानकी बल्लभ मैंदोला, गोपाल कृष्ण बड़थ्वाल और शशिमोहन उनियाल सहित समिति के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

यात्रा पर जीएमओयू वाहन, पहाड़ जाने को भटक रहे यात्री

कोटद्वार बस अड्डे में वाहन के इंतजार में खड़े यात्री

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद बड़ी संख्या में प्रवासी पहाड़ का रूख कर रहे हैं। यही कारण है कि इन दिनों पहाड़ी रूटों पर यात्रियों की संख्या में इजाफा हो गया है। लेकिन, गढ़वाल मोटर्स आनर्स यूनियन (जीएमओयू) की अधिकांश बसों के यात्रा रूट पर जाने से व्यवस्था बेपटरी हो गई है। नतीजा पहाड़ों के लिए समय से वाहन नहीं मिल पा रहे है। जीएमओयू को गढ़वाल की रीढ़ कहा जाता है। जीएमओयू हर दूरस्थ गांव को बेहतर यातायात से जोड़ता है। लेकिन, इन दिनों जीएमओयू की अधिकांश बसें चारधाम यात्रा पर गई हुई हैं। नतीजा पहाड़ के लिए लोगों को समय पर वाहन नहीं मिल पा रहे हैं। इस स्थिति में कुछ मैक्स चालक पूरी जिम्मेदारी से अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे हैं। जबकि, कई ऐसे भी हो जो यात्रियों की इस मजबूरी का फायदा उठाते हुए चार गुना तक किराया वसूल रहे हैं। कोटद्वार से मात्र 15 किलोमीटर दूर दुगड्डा तक जाने वाले यात्रियों से महंगा किराया वसूल रहे हैं। यही नहीं सतपुली जाने वाले यात्रियों से 500 रूपये तक किराया वसूला जा रहा है। यदि कोई यात्री किराया बढ़ोत्तरी का विरोध करता है तो उसे वाहन चालक आधे रास्ते में ही उतार रहे हैं। मैक्स व टैक्सी चालक कोटद्वार स्टैंड में खुलेआम रूट का दो गुना किराया बताते हुए आसानी से सुने भी जा सकते हैं। किराया देने की स्थिति में ही यात्री को वाहन में बिठाया जा रहा है।

लगातार बढ़ रही भीड़

मैदान में लगातार बढ़ रही गर्मी व बच्चों के स्कूल की छुट्टियों के बाद अधिकांश परिवार पहाड़ चढ़ रहे हैं। लेकिन, समय से वाहन नहीं मिलने के कारण उन्हें परेशानी हो रही है। सुबह दो बजे से ही पहाड़ी रूट पर जाने वाले यात्री इधर–उधर वाहन की तलाश में भटकते हुए आसानी से देखे जा सकते हैं।

यही नहीं, निजी कार चालक भी यात्रियों की मजबूरी का खूब फायदा उठा रहे हैं। कई यात्रियों ने शासन-प्रशासन से वाहन चालकों की मनमर्जी पर लगाम लगवाने की मांग की है। कहा कि वाहन में किराया सूची चस्पा की जानी चाहिए। यदि कोई भी चालक अधिक किराया वसूलता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

सड़कों पर बढ़ी गुलदार की धमक, दहशत में ग्रामीण

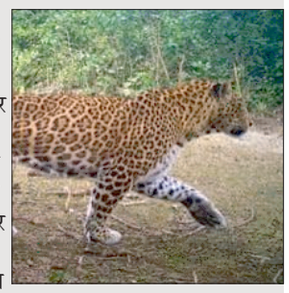

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लैंसडौन वन प्रभाग से सटे क्षेत्रों में इन दिनों गुलदार की गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। जंगल से लगी सड़कों और आबादी वाले इलाकों में गुलदार के दिखाई देने से लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शाम ढलते ही गुलदार सड़कों पर घूमता नजर आता है, जिससे राहगीरों और ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। हाल ही में सनेह क्षेत्र की कोटड़ीढांग रेंज में घास लेने गई एक महिला पर गुलदार ने हमला कर उसे घायल कर दिया था। वहीं कुछ दिन पूर्व सिद्धबली के निकट ग्रास्टनगंज क्षेत्र में एक पालतू कुत्ते को भी गुलदार ने अपना शिकार बना लिया था। यह घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। इसके अलावा महाविद्यालय रोड पर एक गोवंश पर भी गुलदार के हमले की घटना सामने आ चुकी है। क्षेत्र में गुलदार के घूमने के कई वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहे हैं। लगातार बढ़ती घटनाओं के कारण जंगल से सटे इलाकों में रहने वाले लोग दहशत में जीवन यापन कर रहे हैं। शाम होते ही सड़कों और गलियों में सन्नाटा पसरने लगता है और लोग आवश्यक कार्यों के लिए भी घरों से निकलने से बच रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने वन विभाग से गश्त बढ़ाने, संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी मजबूत करने तथा स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था करने की मांग की है। उनका कहना है कि आबादी वाले क्षेत्रों में गुलदार की बढ़ती आवाजाही को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। वन विभाग की टीम प्रभावित क्षेत्रों में लगातार गश्त कर रही है, लेकिन ग्रामीणों का मानना है कि खतरा अभी भी बरकरार है। लोगों ने वन विभाग से जल्द ठोस कार्रवाई कर क्षेत्रवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

कांग्रेसियों ने डॉ. इंदिरा हृदयेश को किया याद

डॉ. इंदिरा हृदयेश को श्रद्धांजलि अर्पित करते कांग्रेसी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पूर्व काबीना मंत्री स्व. डा. इंदिरा हृदयेश की पांचवीं पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कहा कि समाज सेवा के लिए दिए गए डॉ. इंदिरा हृदयेश के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस दौरान कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती के लिए कार्य करने का भी संकल्प लिया।

शनिवार को कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि स्व. डॉ. इंदिरा हृदयेश का उत्तराखंड के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वह एक कुशल शिक्षिका, प्रधानाचार्य एवं प्रबंधक रहीं। उत्तराखंड राज्य गठन के बाद तीन बार विधायक और कांग्रेस सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में अविस्मरणीय सेवाएं दीं। उन्होंने आर्य कन्या इंटर कॉलेज कोटद्वार में एक शिक्षिका के रूप में भी सेवाएं दी थीं। सभा में वीरेंद्र सिंह रावत, गोकुल सिंह नेगी, रविंद्र सिंह रावत, बलबीर सिंह रावत, सनोज नेगी, गबर सिंह रावत, सुरेंद्र सिंह गुसाईं और जावेद हुसैन आदि शामिल रहे।

वीकेंड पर लैंसडौन में उमड़े पर्यटक, कमरे भी नहीं मिले

कोटद्वार। इस बार का वीकेंड होटल कारोबारियों के लिए सुखद रहा। जून के पहले वीकेंड पर जहां होटल और रिजॉर्ट्स फुल थे वहीं अब दूसरे वीकेंड पर लैंसडौन के अलावा आसपास के होटल, होम स्टे, रिजॉर्ट फुल रहे। वहीं लैंसडौन के बाजार भी पर्यटकों से गुलजार नजर आए। बिना बुकिंग कराए पहुंचे पर्यटकों को यहां कमरे नही मिल सके। कमरों के लिए उन्हें भटकना पड़ा। कमरे नही मिलने पर वे रात लैंसडौन में नही ठहर सके और उन्हें लौटना पड़ा। लैंसडौन व आसपास के सभी होटल सुबह ही पैक हो गए थे।पर्यटकों की भीड़ के कारण लैंसडौन, डेरियाखाल, पालकोट, बिलंगी, धोबीघाट, फतेहपुर, जयहरीखाल, गुमखाल, असनखेत, चुंडई, गुंडलखेत, घांघलीखाल, हथनिया के सभी होटल पर्यटकों से गुलजार रहे। बाजारों में भी खासी चहल–पहल रही। होटल एसोसिएशन जीएम ग्रुप के अध्यक्ष सक्षम खंडेलवाल व वरिष्ठ सदस्य विकास सिंह ने बताया कि पर्यटकों से सभी होटल पैक रहे। पर्यटकों के आने से कारोबार भी बेहतर रहा। बाजार भी गुलजार रहे। लैंसडौन के मनोरम व दर्शनीय स्थलों टिप इन टॉप, भुल्ला ताल, संजय शाही पार्क, कालेश्वर मंदिर, ताड़केश्वर महादेव, चिनबो वाटर फाल, संतोषी माता मंदिर, चर्च आदि जगहों पर पर्यटकों की भीड़ रही।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा हरिद्वार तथा डोईवाला स्टेशन पर पार्किंग के कार्य को IREPS के माध्यम से ठेके पर देने हेतु ई–बोलियाँ www.ireps.gov.in पर दिनांक 03.07.2026 को आमंत्रित की जाती है, जिसकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2035/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

टेंडर नं. 75/W/2/3/WA/DEN/Track/T. Notice/83 दिनांक : 12.06.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/समन्वय द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित हैं। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आंमत्रित किये जाते है। निविदा की धरोहर राशी का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट बैंकर चेक डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	83-DRM-MB-26-27 dt. 12.06.2026
कार्य का नाम	AT welding of rails in situ with single shot crucible fitted as per RDSO specification in connection with track renewal work over Moradabad Division.
निविदा प्रकार	Works
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	07.07.2026
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00 hrs
अनुमानित लागत	5,10,24,046.88
धरोहर राशि	10,20,500.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 Months
बिडिंग आरंभ तिथि	23.06.2026

2029/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा दर्शकों का मन

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को सम्मानित करते अतिथि

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भाबर क्षेत्र में आयोजित मालिनी महोत्सव के दूसरे दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों और खेल प्रतियोगिताओं की धूम रही। स्कूली बच्चों, महिला समूहों और स्थानीय कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। महोत्सव में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही, जिससे आयोजन स्थल उत्साह और उमंग से सराबोर नजर आया।कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यमंत्री राजेंद्र अंथवाल, गिरिराज रावत, आशा डबराल ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर अतिथियों ने क्षेत्रवासियों से महोत्सव में अधिक से अधिक सहभागिता करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आधुनिक दौर में लोग मोबाइल और सोशल मीडिया तक सीमित होते जा रहे हैं, जबकि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने और आपसी मेलजोल बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। महोत्सव में बच्चों के लिए कबड्डी सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। वहीं सांस्कृतिक संध्या के दौरान कलाकारों ने गढ़वाली, कुमाऊंनी और लोकगीतों पर आकर्षक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम संयोजक सौरव नौटियाल ने बताया कि महोत्सव के तहत आगामी दिनों में भी खेलकूद, सांस्कृतिक और मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से आयोजन में बढ़–चढ़कर भाग लेने की अपील की। महोत्सव में उमड़ी भारी भीड़ और लोगों का उत्साह इस बात का प्रमाण रहा कि ऐसे आयोजन न केवल क्षेत्रीय संस्कृति को बढ़ावा देते हैं, बल्कि समाज को एकजुट करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दीपक मोहन बड़ोला को दी श्रद्धांजलि

दुगड्डा में पूर्व नगर पालिकाध्यक्ष दीपक बड़ोला को श्रद्धांजलि देते लोग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : दुगड्डा के पूर्व नगर पालिकाध्यक्ष स्व. दीपक मोहन बड़ोला की पुण्यतिथि पर लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। कहा कि नगर पालिकाध्यक्ष रहते हुए बड़ोला ने क्षेत्र के बेहतर विकास को लेकर कार्य किया। डाडामंडी रोड दुगड्डा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि दीपक बड़ोला ने नगर व स्थानीय क्षेत्र के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए। वह सदैव असहाय व गरीब लोगों की मदद के लिए तत्पर रहते थे। क्षेत्र के लिए दिया गया उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। कार्यक्रम का संचालन संजीव कपूर ने किया। इस मौके पर प्रदीप बड़ोला, धर्मेंद्र गोयल, विपिन गर्ग, वीरेंद्र शाह, मुकेश, प्रेम, रामचंद्र, अतुल अग्रवाल, नितेश ठाकुर, दिव्यांशु अग्रवाल, राहुल जैन, मुन्ना लाल, दीपक नेगी, संदीप रावत, अन्नी गुसाई आदि मौजूद रहे।

सिंचाई न होने से धान की बुवाई पर संकट

कोटद्वार। बालासौड़ के काश्तकारों ने दांयी खोह नहर में जल्द पानी छोड़ने की मांग के लिए एसडीएम संदीप कुमार को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि सिंचाई न होने से धान की बुवाई पर संकट छाया है। उन्होंने एसडीएम से सिंचाई विभाग को आवश्यक निर्देश देने की मांग की। काश्तकारों का कहना है कि सिंचाई विभाग की ओर से पिछले दो माह से मरम्मत के नाम पर नहर का पानी बंद रखा गया है। पानी न मिलने से पशुओं के चारे की फसलें (चरी, बाजरा) और मौसमी सब्जियां सूखने के कगार पर हैं साथ ही धान की पौध की बुवाई भी नहीं हो सकी है। बरसात नजदीक होने के बावजूद विभाग न तो मरम्मत कार्य पूरा कर पाया है और न ही पानी दे रहा है। किसानों ने आरोप लगाया कि कौड़िया माइनर के कुलाबा नंबर–4 की मरम्मत का कार्य भी अधूरा है और ठेकेदार काम बीच में ही छोड़कर चला गया है। बजट होने के बाद भी लापरवाही के कारण कार्य समय पर पूरे नहीं हो रहे हैं। किसानों ने प्रशासन से हस्तक्षेप कर मरम्मत कार्य जल्द पूरा कराने और सिंचाई के लिए तत्काल पानी उपलब्ध कराने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में किसान नेता पातीराम ध्यानी, अजय रावत, नवीन रावत, प्रवीन सिंह, पूर्व उपप्रधान विजय ध्यानी और संजय रावत आदि मौजूद रहे।

फिर सुलग रही खाड़ीः होर्मुज जलडमरूमध्य बंद, दुनियाँ में हड़कंप

नीरज कुमार दुबे

पाकिस्तान ने तथाकथित विधानसभा और संविधान का ढांचा तो खड़ा किया, लेकिन असली सत्ता हमेशा इस्लामाबाद और रावलपिंडी के हाथों में रही। वहां की विधानसभा महज कठपुतली संस्था बनकर रह गई है। हाल ही में आरक्षित सीटों को लेकर आए फैसले ने जनता के गुस्से को और भड़का दिया।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में अब हालात सिर्फ बिगड़ नहीं रहे हैं बल्कि यह इस्लामाबाद के खिलाफ खुले जनविद्रोह का रूप ले चुके हैं। जिन लोगों को पाकिस्तान दशकों से अपने कब्जे का हिस्सा बताकर दुनिया के सामने कश्मीर का झूठा राग अलापता रहा, वही लोग आज सड़कों पर उतरकर उसके दमनकारी चेहरे को बेनकाब कर रहे हैं। आटे पर सब्सिडी, बिजली दरों में कमी, रोजगार, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और नागरिक अधिकारों जैसी बुनियादी मांगों को लेकर शुरू हुआ आंदोलन अब पाकिस्तान की औपनिवेशिक नीतियों के खिलाफ व्यापक जनआक्रोश में बदल चुका है।

जम्मू-कश्मीर ज्वाइंट आवामी एक्शन कमेटी के नेतृत्व में चल रहे इस आंदोलन को कुचलने के लिए पाकिस्तानी सेना, रेंजर्स और पुलिस ने जिस बर्बरता का प्रदर्शन किया है, उसने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया है। निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाई गईं, लाठीचार्ज हुआ, आंसू गैस के गोले दागे गए और इंटरनेट सेवाएं बंद कर पूरे क्षेत्र को अंधेरे में धकेल दिया गया। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार अब तक दर्जनों नागरिक मारे जा चुके हैं और हजारों गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। रावलाकोट, मीरपुर, कोटली, भीमबर और पुंछ जैसे क्षेत्रों में हालात विस्फोटक बने हुए हैं। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिन लोगों की जमीनों को डुबोकर मंगला बांध बनाया गया, उन्हीं लोगों को आज आसमान छूते बिजली बिल थमाए जा रहे हैं। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को ऊर्जा देने वाला यह विशाल बांध स्थानीय जनता के लिए अभिशाप बन चुका है। हजारों परिवार उजड़ गए, लेकिन पुनर्वास तक नहीं मिला। प्राकृतिक संसाधनों का दोहन पाकिस्तान करता है, लेकिन उसका लाभ स्थानीय जनता को नहीं मिलता। यही कारण है कि यह आंदोलन अब केवल आर्थिक नहीं, बल्कि अस्तित्व और सम्मान की लड़ाई बन गया है।

पाकिस्तान ने तथाकथित विधानसभा और संविधान का ढांचा तो खड़ा किया, लेकिन असली सत्ता हमेशा इस्लामाबाद और रावलपिंडी के हाथों में रही। वहां की विधानसभा महज कठपुतली संस्था बनकर रह गई है। हाल ही में आरक्षित सीटों को लेकर आए फैसले ने जनता के गुस्से को और भड़का दिया। इन सीटों के जरिये पाकिस्तान अपनी पसंद की सरकारें थोपता है और कश्मीरी आवाजों को कुचल देता है। यही कारण है कि लोग अब खुलकर कह रहे हैं कि पाकिस्तान उन्हें नागरिक नहीं, गुलाम समझता है।

स्थिति इतनी बिगड़ चुकी है कि पाकिस्तान ने संयुक्त आवामी एक्शन कमेटी को प्रतिबंधित कर दिया है। इसके नेताओं के सिर पर इनाम घोषित किए गए हैं। पत्रकारों को गिरफ्तार किया जा रहा है, मीडिया पर सेंसरशिप थोप दी गई है और इंटरनेट बंद कर सच्चाई छिपाने की कोशिश की जा रही है। लेकिन दमन जितना बढ़ रहा है, जनाक्रोश उतना ही उग्र हो रहा है। ब्रिटेन और अमेरिका में बसे कश्मीरी प्रवासियों ने भी पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। यह वही प्रवासी समुदाय है जिसे पाकिस्तान वर्षों तक भारत विरोधी प्रचार के लिए इस्तेमाल करता रहा। मगर अब वही लोग इस्लामाबाद के दमन के खिलाफ दुनिया को सच बता रहे हैं। पाकिस्तानी सेना ने पीओके के लोगों के साथ जो बर्बरता की है उसके खिलाफ गुस्सा इतना ज्यादा है कि लोग नारे लगा रहे हैं कि पाकिस्तानी सेना को कुत्ता कहना कुत्ते की तौहीन है। बाइट।

रणनीतिक दृष्टि से देखें तो यह पाकिस्तान के लिए बेहद खतरनाक स्थिति है। यह संकट उसे सीधे 1971 की याद दिला रहा है, जब दमन और सैन्य बल के सहारे पूर्वी पाकिस्तान को दबाने की कोशिश ने अंततः बांग्लादेश के निर्माण का रास्ता खोला था। आज पीओके में भी वही हालात दिखाई दे रहे हैं। जनता का भरोसा टूट चुका है और पाकिस्तान केवल बंदूक के दम पर कब्जा बनाए रखना चाहता है। लेकिन इतिहास गवाह है कि भय के सहारे किसी क्षेत्र को लंबे समय तक नियंत्रित नहीं रखा जा सकता।

उधर, भारत के लिए यह स्थिति सामरिक और कूटनीतिक दोनों दृष्टियों से अत्यंत महत्वपूर्ण है। जमीनी हकीकत यह है कि वैसे तो पूरा जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है लेकिन पीओके में पाकिस्तान का कब्जा अवैध है। अब जब वहां की जनता खुद पाकिस्तान के खिलाफ उठ खड़ी हुई है और भारत के साथ मिलने की बातें मुखर होने लगी हैं तो सवाल उठता है कि भारत को क्या पीओके में सीधे हस्तक्षेप करना चाहिए? इस सवाल पर अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ बंटे हुए नजर आ रहे हैं। कई विश्लेषकों का कहना है कि सीधे हस्तक्षेप की बजाय भारत को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के मानवाधिकार उल्लंघनों को और आक्रामक तरीके से उठाना चाहिए। उनका कहना है कि भारत को संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय देशों और वैश्विक मानवाधिकार संगठनों के सामने यह प्रश्न मजबूती से रखना होगा कि आखिर पाकिस्तान किस नैतिक आधार पर कश्मीर की बात करता है, जब उसके कब्जे वाले क्षेत्र में जनता को जीने तक का अधिकार नहीं है।

कुछ विश्लेषकों का यह भी कहना है कि यदि भारत ने पीओके में सीधे हस्तक्षेप किया तो यह सीधे सैन्य दखल के रूप में देखा जायेगा और यह दो परमाणु शक्तियों के बीच संघर्ष का खतरा बढ़ा सकता है। वैसे भी पाकिस्तान लंबे समय से आतंकवाद और उकसावे की नीति अपनाता रहा है इसलिए वह किसी भी प्रत्यक्ष कार्रवाई को युद्ध का बहाना बना सकता है। इसलिए भारत को अत्यंत संतुलित लेकिन दृढ़ रणनीति अपनानी होगी।

विश्लेषकों का कहना है कि भारत के पास कई विकल्प हैं। जैसे पीओके की जनता के साथ मानवीय और सामाजिक संपर्क बढ़ाना, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान को घेरना, सीमा पर सुरक्षा और सतर्कता बढ़ाना क्योंकि पाकिस्तान ध्यान भटकाने के लिए आतंकवादी घुसपैठ बढ़ा सकता है। साथ ही पीओके के लोगों के लिए राजनीतिक संदेश देना होगा कि भारत उन्हें अपना नागरिक मानता है और उनके अधिकारों के साथ खड़ा है। विश्लेषकों का कहना है कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पीओके के लिए आरक्षित 24 सीटों को सक्रिय राजनीतिक प्रक्रिया से जोड़ने पर भी गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

बहरहाल, फिलहाल भारत के लिए सबसे प्रभावी रास्ता यही है कि वह धैर्य, कूटनीति और रणनीतिक दबाव का संयोजन अपनाए। पीओके में जो आग भड़की है, वह केवल आर्थिक संकट का परिणाम नहीं, बल्कि दशकों के दमन, शोषण और राजनीतिक अपमान का विस्फोट है। पाकिस्तान की सबसे बड़ी समस्या यह है कि अब उसका झूठ उसके अपने कब्जे वाले क्षेत्र में ही टूट रहा है। जिस जमीन को वह कश्मीर की आजादी का प्रतीक बताता था, वहीं की जनता आज उसके खिलाफ आजादी की आवाज बुलंद कर रही है। हालात साफ संकेत दे रहे हैं कि आने वाले समय में पीओके का भारत के साथ स्वाभाविक जुड़ाव और तेज हो सकता है। स्थानीय जनता जिस तरह पाकिस्तान के खिलाफ आरपार की लड़ाई के मूड़ में दिखाई दे रही है, उससे स्पष्ट है कि इस्लामाबाद के लिए अब केवल बंदूक और दमन के सहारे वहां अपनी पकड़ बनाए रखना आसान नहीं रहेगा। स्थानीय जनता के भीतर पाकिस्तान विरोधी भावना लगातार गहरी हो रही है। यदि पाकिस्तान ने अपनी दमनकारी नीतियां नहीं बदलीं, तो वह दिन दूर नहीं जब पीओके की जनता खुद पाकिस्तान के कब्जे को खुली चुनौती देते हुए भारत के साथ खड़े होने का रास्ता चुन सकती है।

सीजेरियन डिलीवरी

भारत में बीमा कवरेज बढ़ा है, जिसमें एक बड़ा हिस्सा सरकारी बीमा योजनाओं का है। संभवतः इसी कारण अस्पताल दंपत्तियों को अनिवार्य ना होने की स्थिति में भी सीजेरियन डिलीवरी पर राजी कर लेते हैं।

भारत में अब 90 फीसदी बच्चों का जन्म अस्पताल में होता है। ये अच्छी खबर नेशनल फैमिली एंड हेल्थ सर्वे–6 (एनएफएचएस–6) रिपोर्ट से आई है। उधर नई सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम स्टैस्टिकल रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में कुल जितने बच्चों का जन्म हुआ, उनमें 66.4 प्रतिशत अपने माता–पिता की पहली संतान थे। लगभग 23 प्रतिशत दूसरी और 7.3 फीसदी तीसरी संतानों का जन्म हुआ। सिर्फ 3.5 प्रतिशत मामलों में चौथी या उसके बाद की संतानों का जन्म हुआ। ये आंकड़े स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन के लिए बढ़ी चेतना की तस्दीक करते हैं। एनएफएचएस–6 के मुताबिक भारत में टोटल फर्टिलिटी रेट (टीएफआर) 2.0 रह गया है, जो आदर्श 2.1 से थोड़ा कम है।

फिलहाल, यह चिंता का विषय नहीं है, लेकिन टीएफआर और गिरा, तो भविष्य में एक नई चुनौती देश के सामने आ सकती है। बहरहाल, एनएफएचएस–6 से अभी गंभीर चिंता का कारण बन चुका एक रुझान सामने आया है। इसके मुताबिक 2023–24 में प्राइवेट अस्पतालों में 54 प्रतिशत डिलीवरी सीजेरियन हुई। पश्चिम बंगाल में तो ये संख्या 87.7 और तेलंगाना 84 प्रतिशत थी। उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन सिर्फ 10 से 15 प्रतिशत मामलों में सीजेरियन डिलिवरी को स्वीकार्य सीमा में मानता है। अमेरिका में स्वास्थ्य सेवाओं के लगभग पूरी तरह बीमा आधारित होने के बावजूद सीजेरियन डिलीवरी की दर 32 प्रतिशत ही है। स्कैंडेनेवियन देशों में तो यह 16 से 19 फीसदी तक है।

ये आंकड़े बताते हैं कि सीजेरियन डिलीवरी की जरूरत बहुत कम मामलों में पड़ती है। फिर भी भारत में प्राइवेट अस्पतालों में आधी से ज्यादा डिलीवरी इस तरीके से हो रही है, तो इसके पीछे मुख्य कारण मुनाफा कमाने की व्यापारिक मानसिकता को ही समझा जाएगा। एनएफएचएस–6 से सामने आया है कि भारत में बीमा कवरेज बढ़ा है, जिसमें बड़ा योगदान सरकारी बीमा योजनाओं का है। संभवतः इसी कारण अस्पताल दंपत्तियों को अनिवार्य ना होने की स्थिति में भी सीजेरियन डिलीवरी पर राजी कर लेते हैं।

घर के कामकाज और जिम्मेदारी को संभालेंगे रोबोट

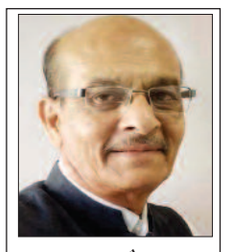

सनत जैन

तकनीकी अब घर-घर में पहुंचने की तैयारी में है। दुनिया में इस समय एआई का बोलबाला है। सारी दुनिया के देशों में एआई तकनीकी पर आधारित रोबोट बनाए जा रहे हैं। हर देश में यह रोबोट अपने-अपने तरीके से परंपरागत रूप से काम करने की तकनीकी सीख रहे हैं। इन्हें इंसानों के बीच में किस तरह से किस देश में काम होते हैं उसकी जानकारी देकर रोबोट को इस बात के लिए तैयार कर रहे हैं कि वह समाज की जरूरत पर पूरी तरह से कारगर हो। भारत में जो रोबोट तैयार किये जा रहे हैं उन्हें कारखाने और घरेलू कामकाज के लिए तैयार किया जा रहा है। कारखाने में जिस तरह से मजदूर काम करते हैं उन्हीं कामों को अब रोबोट से कराने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके साथ ही घरेलू कामकाज में चरणबद्ध तरीके से रोबोट अपना काम कर सकें इसके लिए उन्हें रोटी बनाना, सब्जी बनाना, यहां तक कि किस सब्जी में कितने मसाले का उपयोग करना है, घर के कामकाज में कपड़े धोने से लेकर बेडशीट बिछाकर घर की साफ सफाई करना, साइकिल चलाना, सड़क पार करना, कपड़ों पर प्रेस करना और पौधों को पानी देने के साथ ही साथ पौधों का रखरखाव करने जैसे काम करने वाले रोबोट तैयार किया जा रहे हैं। इसके लिए लगातार प्रयास शुरू हो गए हैं। इसे देखते हुए संभावना व्यक्त की जा रही है कि साल-दो-साल में भारत के प्रमुख शहरों में कामकाजी रोबोट के शोरुम खुल जाएंगे।

रोबोटिक में इमिटेशन लर्निंग के सटीक कार्यों की जानकारी के लिए जो कुशल मजदूर हैं और ग्रहणी के रूप में जो महिलाएं काम कर रही हैं वह अपने वीडियो तैयार करके कंपनियों को उपलब्ध करा रहे हैं। इससे उन्हें कमाई भी हो रही है और रोबोट तैयार करने वाले इंजीनियरों को रोबोट और सॉफ्टवेयर तैयार करने में मदद मिल रही है। इस कार्य को करने के लिए जो वीडियो बनाकर कमाई शुरू हुई है उसमें कामगार को अपने काम को व्यवस्थित रूप से करने और बारीकी से उसे समझाने में मदद मिल रही है। इसी तरह से घरेलू काम के लिए घरेलू महिलाओं और घरेलू कामकाज करने वाली कामगार की सहायता ली जा रही है। रील और वीडियो के माध्यम से यह एक नया रोजगार बन रहा है जो सोशल मीडिया के माध्यम से बड़ी तेजी के साथ प्रचलित होता चला जा रहा है। घरेलू कामगारों के लिए कम से कम 30 मिनट का वीडियो तैयार करना होता है, इस वीडियो का उपयोग जो भी कंपनी करती है, वो उसका भुगतान भी करती है। इसी तरह से मजदूर जो भवन निर्माण एवं अन्य कामों में लगे हुए हैं वह अपने-अपने काम और अनुभव के आधार पर वीडियो तैयार कर रहे हैं, इससे उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से बड़ी कमाई हो रही है।

सबसे बड़ी बात यह है अलग-अलग क्षेत्र के लिए अलग-अलग भाषा में काम करने वाले कामगार रोबोट तथा घरेलू कामकाज के लिए रोबोट तैयार करने का सिलसिला भारत में बड़ी तेजी के साथ चल पड़ा है। आने वाले दिनों में अब एआई तकनीकी से तैयार रोबोट बड़ी मात्रा में बिकने के लिए उपलब्ध होंगे, जो कंपनियां रोबोट तैयार कर रहे हैं वह इस बात पर विशेष ध्यान दे रही हैं। जो रोबोट तैयार हों वह विभिन्न भाषा में, विभिन्न संस्कृति के अनुसार, कारखाने और घरेलू कामकाज के लिए पूरी तरह से काम कर सकें। आने वाले दिनों में झाड़ू-पोछा से लेकर रोटी बनाने, बुजुर्गों को टहलाने, बच्चों को खिलाने, बागवानी करने और अन्य काम अब घर घर में रोबोट करते हुए देखे जा सकेंगे। जिस तरह से एआई तकनीकी के माध्यम से परिवर्तन आ रहे हैं उसको देखते हुए यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि करोड़ों लोग जो मजदूरी और घरों के कामकाज में रोजगार प्राप्त करते थे वह बेरोजगार हो सकते हैं। यह एक बड़ी आशंका भारत सहित दुनिया के सभी देशों को परेशान कर रही है। लेकिन तकनीकी का विकास अपनी जगह है, इसके साथ तालमेल बिठाकर काम करने की जरूरत है। यह सबसे बड़ी चुनौती है, जिसके कारण सारी सामाजिक व्यवस्था और संस्कृति प्रभावित होने जा रही है। भारत सरकार अभी इस संबंध में कोई कानून लेकर नहीं आई है। किस तरह से सामाजिक, आर्थिक रूप से यह परिवर्तन लोगों को प्रभावित करेगा इसको लेकर भारत से दुनिया के सभी देशों में चिंता देखने को मिल रही है। तकनीकी का विकास पारिवारिक एवं आर्थिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए। तकनीकी का अंधाधुंध विकास सामाजिक व्यवस्था को बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है। इसका ध्यान रखने की जरूरत है।

चिंतन-मनन

धर्म का मूल केंद्र है वर्तमान

धर्म जगत ने धर्म को केवल परलोक के साथ जोड़कर भारी भूल की है। इसका परिणाम यह हुआ कि धर्म का असली प्रयोजन तिरोहित हो गया। वह स्वर्ग-सुखों के प्रलोभन और नरक-दुख के भय से जुड़ गया। हर धर्म-प्रवर्तक ने धर्म को जीवन से जोड़ा, किंतु धर्म-परंपराओं ने उसे स्वर्ग और नरक से जोड़ दिया। धर्म का मूल केंद्र वर्तमान है न कि भूत और भविष्य। हम वर्तमान क्षण को कैसे जियें, धर्म का सारा दर्शन इसी पर टिका हुआ है। वर्तमान विषम है तो भविष्य भी विषम होगा। यदि वर्तमान सम और सुखमय है तो भविष्य भी सम और सुखमय ही होगा। यानी भविष्य वैसा ही होगा जैसा वर्तमान है। इसीलिए धर्म का असली प्रयोजन वर्तमान को सजाने-संवारने का है।

इस केंद्रीय विचार से भटक जाने के कारण धर्म भूत और भविष्य में उलझ गया। वर्तमान को उसने बिल्कुल ही भुला दिया। इसलिए लोगों ने वर्तमान को केवल अतीत का परिणाम मान लिया। इससे भाग्यवाद की विचारधारा का जन्म हुआ। भाग्य को बदला नहीं जा सकता, इसलिए वे वर्तमान से विमुख हो गए और भविष्य की चिंता में पड़ गए। जिसके पास कोठी, महंगी कार और विदेशों में छुट्टी मनाने के साधन हैं, वे अतीत के परिणाम हैं। जो वैभव-संपन्न नहीं हैं, वे जप-तप में इसलिए लगे हैं ताकि भविष्य में भी साधन-संपन्न बन सकें। ऐसे में धर्म का पूरा उद्देश्य ही बदल गया। जो आत्म-केंद्रित था, वह वस्तु-केंद्रित हो गया। जो वस्तु-विमुख था, वह वस्तु-सम्मुख बन गया। इसी विचार के फलस्वरूप धर्म के नाम पर व्यापार और सौदेबाजी चलने लगी। जहां भी प्रलोभन और भय है वहां धर्म नहीं है। धर्म है आत्म उज्ज्वलता का साधन। धर्म है सोई हुई शक्तियों के पुनर्जागरण का उपादान। यह है आत्म-स्वभाव में रमण। धर्म ही है आत्म शांति और विश्व शांति का एकमात्र साधन। वर्तमान जीवन को आनंदपूर्ण बनाने का गुर। भगवान महावीर ने कहा है- आत्मा ही नरक है, आत्मा में ही स्वर्ग है, आत्मा में ही बंधन है, आत्मा में ही मोक्ष है। जिसके भीतर नरक नहीं, उसके लिए बाहर कहीं भी नरक नहीं। जिसके भीतर स्वर्ग नहीं, उसके लिए बाहर कहीं भी स्वर्ग नहीं। महावीर ने भीतर पर जोर दिया जबकि हम बाहर पर जोर दे रहे हैं। बाहर के स्वर्ग और नरक की चिंता में उलझे हैं। इसी चिंतन का दुष्परिणाम यह हुआ कि बाहर से जप-तप, पूजा-पाठ चल रहे हैं, लेकिन दूसरी तरफ छल-कपट, झूठ, शोषण, राग-द्वेष, नफरत भी पल रहे हैं। यानी धर्म करते हुए भी जीवन में कोई परिवर्तन नहीं है, कोई प्रांति नहीं है। इसी वजह से जीवन की शांति गायब हो गई। शांति वर्तमान में ही घटित हो सकती है। इसलिए हम अपने को वर्तमान से जोड़ें, उसे सजायें-संवारें, संगीतमय और आनंदमय बनाएं। यही धर्म है।

मानवता की एक बूंद रक्तदान करें जीवन बचाएं : सुरक्षित रक्त से मजबूत समाज की ओर

कांतिलाल मांडोत

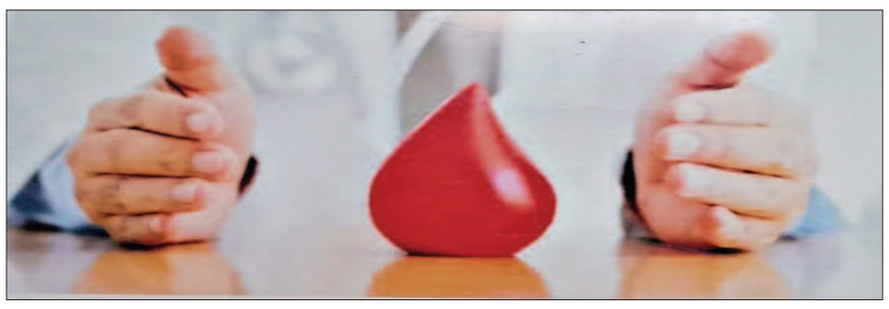

हर वर्ष 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं है बल्कि मानवता सेवा और जीवन रक्षा का वैश्विक अभियान है। इस दिन उन लाखों स्वैच्छिक रक्तदाताओं का सम्मान किया जाता है जिनके निस्वार्थ योगदान से प्रतिदिन अनगिनत लोगों को नया जीवन मिलता है। वर्ष 2026 की थीम ह्मानवता की एक बूंद। रक्तदान करें। जीवन बचाएं ह्व इस संदेश को और अधिक प्रभावी बनाती है कि रक्तदान केवल चिकित्सा सहायता नहीं बल्कि करुणा और सामाजिक जिम्मेदारी का सबसे बड़ा प्रतीक है।

रक्त ऐसा अमूल्य संसाधन है जिसे किसी प्रयोगशाला में कृत्रिम रूप से तैयार नहीं किया जा सकता। इसकी उपलब्धता पूरी तरह स्वस्थ और जागरूक नागरिकों के स्वैच्छिक रक्तदान पर निर्भर करती है। जब किसी व्यक्ति को दुर्घटना होती है तब प्रसव के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव होता है तब कैंसर का इलाज चल रहा होता है तब थैलेसीमिया या अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे समय में किसी अनजान रक्तदाता द्वारा दिया गया रक्त जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर बन जाता है।

भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देशों में से एक है और यहां रक्त की मांग भी बहुत अधिक है। विभिन्न स्वास्थ्य रिपोर्टों के अनुसार देश में हर वर्ष लगभग 1.4 से 1.6 करोड़ यूनिट रक्त एकत्रित किया जाता है। यह संख्या बड़ी दिखाई देती है लेकिन देश की विशाल जनसंख्या और स्वास्थ्य जरूरतों को देखते हुए अभी भी कई क्षेत्रों में रक्त की कमी महसूस की जाती है। विशेष रूप से दुर्लभ रक्त समूहों और आपातकालीन स्थितियों में रक्त की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनी रहती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि देश की कुल आबादी का केवल एक छोटा हिस्सा भी नियमित रूप से रक्तदान करे तो रक्त की कमी की समस्या लगभग समाप्त हो सकती है। एक यूनिट रक्त को अलग अलग घटकों में विभाजित किया जा सकता है। इससे लाल रक्त कणिकाएं प्लाज्मा और प्लेटलेट्स अलग होकर तीन अलग मरीजों के उपचार में उपयोग किए जा सकते हैं। इसका अर्थ है कि एक व्यक्ति का एक बार किया गया रक्तदान तीन या उससे अधिक लोगों का जीवन बचाने में सहायक हो सकता है।

भारत में हर वर्ष लाखों मरीज रक्तदान से लाभान्वित होते हैं। सड़क दुर्घटनाओं के शिकार लोगों से लेकर हृदय शल्य चिकित्सा कराने वाले मरीजों तक और कैंसर उपचार प्राप्त कर रहे रोगियों से लेकर थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों तक सभी के लिए रक्त जीवनरेखा का काम करता है। थैलेसीमिया से पीड़ित हजारों बच्चों को नियमित अंतराल पर रक्त चढ़ाने की आवश्यकता होती है। यदि रक्तदाता आगे न आएं तो इन बच्चों के जीवन पर संकट खड़ा हो सकता है। इसी प्रकार प्रसव के दौरान होने वाले अत्यधिक रक्तस्राव के कारण हर वर्ष अनेक महिलाओं की जान जोखिम में पड़ती है। समय पर उपलब्ध रक्त उनके जीवन की रक्षा कर सकता है।

रक्तदान को लेकर समाज में कई प्रकार की भ्रांतियां भी मौजूद हैं। कुछ लोग मानते हैं कि रक्तदान करने से कमजोरी आ जाती है या स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। जबकि चिकित्सा विज्ञान के अनुसार स्वस्थ व्यक्ति द्वारा निर्धारित अंतराल पर किया गया रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित होता है। शरीर कुछ ही समय में रक्त की कमी को पूरा कर लेता है। रक्तदान से नई रक्त कोशिकाओं के निर्माण की प्रक्रिया सक्रिय होती है और शरीर में आयरन संतुलन बनाए रखने में भी सहायता मिलती है। सबसे बड़ी बात यह है कि रक्तदान से पहले होने वाली स्वास्थ्य जांच व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य की स्थिति जानने का अवसर भी देती है।

आज आवश्यकता केवल रक्त एकत्रित करने की नहीं बल्कि नियमित और स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति विकसित करने की है। कई बार विशेष अवसरों पर बड़े शिविर आयोजित होते हैं और पर्याप्त मात्रा में रक्त एकत्र हो जाता है लेकिन वर्ष भर निरंतर रक्त की उपलब्धता बनाए रखना अधिक महत्वपूर्ण है। इसके लिए युवाओं को विशेष रूप से प्रेरित करने की आवश्यकता है। कॉलेजों विश्वविद्यालयों और सामाजिक संगठनों को नियमित जागरूकता अभियान चलाने चाहिए ताकि रक्तदान को एक सामाजिक आंदोलन का रूप दिया जा सके।

डिजिटल युग में तकनीक भी रक्तदान अभियान को नई दिशा दे सकती है। मोबाइल एप और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से रक्तदाताओं का राष्ट्रीय नेटवर्क तैयार किया जा सकता है। आवश्यकता पड़ने पर निकटतम रक्तदाता से तुरंत संपर्क स्थापित किया जा सकता है। इससे आपातकालीन परिस्थितियों में समय की बचत होगी और मरीजों को शीघ्र सहायता मिल सकेगी। कई राज्यों में ऐसे प्रयास शुरू हुए हैं लेकिन इन्हें और व्यापक बनाने की आवश्यकता है।

स्कूल स्तर पर भी रक्तदान के महत्व के बारे में शिक्षा दी जानी चाहिए। भले ही विद्यार्थी रक्तदान की आयु तक न पहुंचे हों लेकिन उनमें सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित की जा सकती है। जब वे युवा बनेंगे तब स्वाभाविक रूप से रक्तदान को अपने सामाजिक कर्तव्य के रूप में स्वीकार करेंगे। इसी प्रकार परिवारों में भी रक्तदान को लेकर सकारात्मक चर्चा होनी चाहिए ताकि नई पीढ़ी प्रेरित हो सके।

सरकारों और स्वास्थ्य संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। रक्त बैंकों की संख्या और गुणवत्ता बढ़ाने के साथ साथ आधुनिक परीक्षण सुविधाओं को मजबूत करना आवश्यक है। सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए गुणवत्ता मानकों का कठोर पालन किया जाना चाहिए। ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों तक रक्त सेवाओं की पहुंच बढ़ाना भी समय की मांग है। जब तक हर व्यक्ति को आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित रक्त उपलब्ध नहीं होगा तब तक स्वास्थ्य सुरक्षा का लक्ष्य अधूरा रहेगा।

सामाजिक संगठनों धार्मिक संस्थाओं उद्योग जगत और शैक्षणिक संस्थानों को भी इस अभियान से जुड़ना चाहिए। यदि प्रत्येक संस्था वर्ष में कुछ रक्तदान शिविर आयोजित करे और अपने सदस्यों को नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित करे तो देश में रक्त की उपलब्धता कई गुना बढ़ सकती है। रक्तदान को केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि निरंतर चलने वाली सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाना होगा।

विश्व रक्तदाता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि मानवता की सबसे बड़ी ताकत परस्पर सहयोग में निहित है। जब कोई व्यक्ति रक्तदान करता है तब वह केवल रक्त नहीं देता बल्कि किसी परिवार को उम्मीद देता है किसी मां को उसका बेटा लौटाता है किसी बच्चे को भविष्य देता है और किसी मरीज को जीवन का दूसरा अवसर प्रदान करता है। यही कारण है कि रक्तदान को महादान कहा जाता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम रक्तदान को उत्सव नहीं बल्कि आदत बनाएं। यदि प्रत्येक सक्षम नागरिक वर्ष में एक या दो बार भी स्वेच्छा से रक्तदान करे तो भारत न केवल अपनी रक्त आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है बल्कि सुरक्षित रक्त उपलब्धता के क्षेत्र में दुनिया के लिए उदाहरण बन सकता है।

विश्व रक्तदाता दिवस 2026 का संदेश स्पष्ट है। मानवता की रक्षा के लिए किसी बड़े त्याग की आवश्यकता नहीं है। केवल कुछ मिनट का समय और एक यूनिट रक्त किसी की पूरी जिंदगी बदल सकता है। आइए संकल्प लें कि हम स्वयं रक्तदान करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। क्योंकि जब रक्त की एक बूंद किसी जीवन को बचाती है तब वह केवल चिकित्सा नहीं बल्कि मानवता की सबसे सुंदर अभिव्यक्ति बन जाती है।

(वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार-स्तम्भकार)

संक्षिप्त समाचार

पेंटागन में ऑफिस सील, फ्लोर खाली और इमरजेंसी अलर्ट

पेंटागन , एजेंसी। ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन में गुरुवार को सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया। इमारत के कई हिस्सों को खाली कराया गया और कुछ मंजिलों को सील कर दिया गया। सीएनएन और अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, पेंटागन की आंतरिक निगरानी प्रणालियों ने समस्या का पता लगाया, जिसके तुरंत बाद एहतियाती कार्रवाई शुरू की गई। प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन प्रोटोकॉल लागू किए गए और खतरनाक पदार्थों से निपटने वाली विशेष टीमें मौके पर पहुंच गईं। पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने बताया कि इमारत की निगरानी प्रणालियों ने ऐसी समस्या का संकेत दिया जिसके लिए तत्काल एहतियात बरतना जरूरी था। हम प्रभावित क्षेत्र में 'शेल्टर इन प्लेस' समेत सभी मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन कर रहे हैं। रेस्क्यू टीम मौके पर तैनात हैं। भवन में मौजूद लोगों की मदद के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सुरक्षा टीम के जारी संदेश में कर्मचारियों को बताया गया कि वायु गुणवत्ता संबंधी समस्या का पता चला है और अतिरिक्त जांच चल रही है, जिसमें एक से दो घंटे का समय लग सकता है। संदेश में कहा गया है कि रेस्क्यू टीम मौके पर हैं। आपको केंद्रीय प्रांगण में कई एजेंसियों के बचावकर्मी दिखाई दे सकते हैं। कृपया इसे सामान्य सुरक्षा अभ्यास मानें। यह घटना उस समय हुई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका ईरान पर 'आज रात' बड़ा हमला करने जा रहा है, ताकि निकट भविष्य में ईरान के तेल और गैस उद्योगों, खासकर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण खार्ग द्वीप पर पूर्ण नियंत्रण हासिल किया जा सके। अमेरिका और ईरान के बीच लगातार दूसरे दिन हमलों का वार-पलटवार जारी है। इस सप्ताह तीसरी बार मिडिल ईस्ट में जवाबी हमलों ने पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर दिया है। पहले ईरान-इजराइल संघर्ष हुआ, उसके बाद अमेरिका और ईरान के बीच गोलीबारी के दो दौर चले, जिनमें अमेरिकी सैन्य अड्डों वाले देशों को निशाना बनाया गया।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में बड़ा घोटाला, 954 करोड़ का महाघोटालेबाज माखीजानी गिरफ्तार

सैक्रामेंटो , एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक बड़ा बैंकिंग घोटाला सामने आया है। इसने वित्तीय जगत के साथ कॉर्पोरेट गलियारों को भी हिलाकर रख दिया है। भारतीय मूल के 44 वर्षीय ग्रीन कार्डधारक फाइनेंसर महेंद्र माखीजानी को एक अमेरिकी बैंक से 954 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में बुधवार सुबह उसकी न्यूपोर्ट बीच स्थित आलीशान हवेली से गिरफ्तार किया गया। माखीजानी पर न सिर्फ शेल कंपनियों और फर्जी इंश्योरेंस दस्तावेजों के जरिये बैंक को ठगने का आरोप है, बल्कि उसने बैंककर्मियों को अपने जाल में फंसाने के लिए अश्लील माध्यमों और ड्रग्स पार्टियों का सहारा लिया और हथियारबंद गुंडों के दम पर संपत्तियों पर कब्जे किए। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ऑफ कैलिफोर्निया के फर्स्ट असिस्टेंट अमेरिकी अटॉर्नी बिलाल एसायली ने संघीय आपराधिक शिकायत के तहत इस गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि की है। अदालती दस्तावेजों और आईआरएस क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन के एक्टिंग स्पेशल एजेंट इन चार्ज डैरेन लियन के आधिकारिक बयान के अनुसार माखीजानी कैंटर ग्रुप वीएलएलसी नाम की कंपनी चलाता है। बैंक ने इस कंपनी को रियल एस्टेट लोन के लिए 954 करोड़ रुपये का अग्रिम भुगतान दिया था। माखीजानी ने सितंबर 2024 से अप्रैल 2025 के बीच शेल कंपनियों का नेटवर्क बनाकर और टाइटल इंश्योरेंस पॉलिसियों में हेरफेर कर बैंक को गलत जानकारी दी।

2 उइगर मुस्लिम थाईलैंड के ब्रह्मा मंदिर में बम ब्लास्ट के दोषी करार, कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई

बैंकॉक , एजेंसी। थाईलैंड की एक अदालत ने 2015 में बैंकॉक के एरावन मंदिर बम धमाके के मामले में दो उइगर मुस्लिमों आरोपियों को मौत की सजा सुनाई है। इस धमाके में 20 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें एक सिंगापुर का नागरिक भी शामिल था, जबकि 120 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। एरावन मंदिर बैंकॉक का एक प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है। यह हिंदू देवता ब्रह्मा को समर्पित है। यहां चार मुख वाले ब्रह्मा की प्रतिमा स्थापित है, जिसे थाई भाषा में फ्रा फ्रोम कहा जाता है। हर दिन हजारों स्थानीय लोग और विदेशी पर्यटक यहां पूजा करने और मनोकामना मांगने आते हैं।

ईरान के विदेश मंत्री अराघची बोले- अमेरिकी कार्रवाई से अप्रैल का सीजफायर निष्प्रभावी हो गया

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने गुरुवार को कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका के नए हमलों ने दोनों पक्षों के बीच अप्रैल में हुए सीजफायर को बेअसर कर दिया है। गुरुवार को यूरोपीय संघ (ईयू) के विदेश नीति के प्रमुख काजा कैलास के साथ फोन पर हुई बातचीत में अराघची ने हाल के अमेरिकी हमले की कड़ी निंदा की और इसे यूएन चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन बताया। सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपने हमलों के खतरनाक नतीजों के लिए जिम्मेदार है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने गुरुवार सुबह कहा कि उसकी सेनाओं ने ईरान के बेवजह और लगातार हमले के जवाब में कई ईरानी ठिकानों पर और हमले किए हैं। सीईएनटीसीओएम ने एक्स पर लिखा, 'सीईएनटीसीओएम फोर्स ने पूरे ईरान में ईरानी मिलिट्री सर्विलांस कैपेबिलिटी, कम्युनिकेशन सिस्टम और एयर डिफेंस साइट्स पर हमले किए। अमेरिकी मरीन कॉर्प्स, एयर फोर्स और नेवी के एसेट्स ने ईरानी टारगेट पर सटीक हथियार दागे, जो अमेरिकी फोर्स और इलाके के पानी में आने-जाने वाले अंतरराष्ट्रीय कमर्शियल जहाजों के लिए खतरा थे।' इसमें आगे कहा गया, 'ये हमले ईरान के बिना वजह और लगातार हमलों के जवाब में किए गए हैं। अमेरिकी सेना चौकन्नी, खतरनाक और तैयार है।' हमलों के बाद, ईरान के मुख्य मिलिट्री कमांड, खतम अल-अनबिया सेंट्रल

हेडक्वार्टर ने घोषणा की कि होर्मुज स्ट्रेट को सभी तरह के जहाजों के लिए बंद कर दिया गया है, जिसमें तेल टैंकर और कमर्शियल जहाज शामिल हैं। इसके अलावा, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि उन्होंने अमेरिकी हमलों का बदला लेने के लिए जॉर्डन, कुवैत और बहरीन में अमेरिकी बेस को निशाना बनाया। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ नई सैन्य कार्रवाई की धमकी दी और कहा कि अमेरिका आखिरकार ईरान के जरूरी तेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर नियंत्रण कर सकता है। यह बात अमेरिकी फोर्स के तीसरे कमर्शियल टैंकर को निष्क्रिय करने के कुछ घंटों बाद कही गई, जिस पर तेहरान के खिलाफ वाशिंगटन की नाकाबंदी तोड़ने का आरोप है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'अमेरिका आज रात ईरान पर बहुत जोरदार हमला करेगा।

दुनिया का सबसे छोटा गणराज्य नाउरू जल्द ही अपना सकता है नया नाम

यारेन , एजेंसी। दुनिया का सबसे छोटा गणराज्य नाउरू जल्द ही अपना नाम बदल सकता है। संसद में एक प्रस्ताव पारित होने के बाद देश में जनमत संग्रह कराया जाएगा, जिसमें नागरिक तय करेंगे कि नाउरू का आधिकारिक नाम बदलकर 'नाओएरो' किया जाए या नहीं। राष्ट्रपति डेविड अडियांग ने संसद में कहा कि 'नाओएरो' नाम देश की विरासत, भाषा और पहचान का अधिक सम्मान करता है। प्रस्ताव बिना किसी विरोध के पारित हुआ है। सरकार के अनुसार, स्थानीय लोग अपनी भाषा में देश को 'नाओएरो' कहते हैं। हालांकि, विदेशी लोगों के लिए इसका उच्चारण कठिन होने के कारण आधिकारिक रिकॉर्ड में 'नाउरू' नाम प्रचलित हो गया। सरकार का कहना है कि यह बदलाव स्थानीय लोगों की पसंद नहीं बल्कि बाहरी सुविधा के लिए किया गया था। नाउरू का नाम कई बार बदल चुका है। 1798 में एक ब्रिटिश नाविक ने इसका नाम 'प्लेजेंट आइलैंड' रखा था। 1888 में जर्मनी के कब्जे के बाद 'नाउरू' नाम आधिकारिक दस्तावेजों में दर्ज हुआ। बाद में ऑस्ट्रेलियाई प्रशासन ने भी यही नाम जारी रखा। देश को 1968 में स्वतंत्रता मिली। विशेषज्ञों का मानना है कि मूल नामों की वापसी केवल भाषाई बदलाव नहीं बल्कि सांस्कृतिक अधिकार और आत्मनिर्णय का प्रतीक है। दुनिया के कई देशों ने भी अपनी स्थानीय पहचान को मजबूत करने के लिए नाम बदले हैं। यूनेस्को नाउरू की मूल भाषा को गंभीर रूप से संकटग्रस्त मानता है। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि 'नाओएरो' नाम अपनाने से भाषा संरक्षण और सांस्कृतिक निरंतरता को बढ़ावा मिल सकता है।

फिनलैंड में जयशंकर का दो टूक संदेश, कहा- मजबूत सप्लाई चेन से संभव है स्थिर दुनिया

हेलसिंकी , एजेंसी। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा है कि आज की दुनिया में चल रहे संघर्षों का प्रभाव केवल संबंधित क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका असर वैश्विक स्तर पर देखने को मिलता है। ऐसे में मजबूत और विविधीकृत सप्लाई चेन तथा सक्रिय कूटनीति बेहद जरूरी हो गई है। फिनलैंड में 'कुल्तारांता वार्ता' में भारत का प्रतिनिधित्व

फिनलैंड की राजधानी हेलसिंकी में आयोजित कुल्तारांता वार्ता में भाग लेते हुए जयशंकर ने वैश्विक शक्ति संतुलन और बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों पर भारत का दृष्टिकोण रखा। इस चर्चा में फिनलैंड की विदेश मंत्री एलिना वाल्टोनन और यूएई की सहायक विदेश मंत्री लाना नुसैबेह भी शामिल थीं। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर बताया कि मौजूदा संघर्ष वैश्विक स्तर पर लागत बढ़ा रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं।

कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर जोर : विदेश मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को संघर्षों के प्रभाव को कम करने और कूटनीति के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाने पर लगातार काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया को एकजुट होकर वैश्विक स्थिरता की दिशा में प्रयास करने की जरूरत है।

डी-रिस्किंग और सप्लाई चेन को मजबूत बनाने की अपील : जयशंकर ने कहा कि आज के अस्थिर वैश्विक माहौल में

सप्लाई चेन को अधिक सुरक्षित, विविध और लचीला बनाना आवश्यक है। उन्होंने डी-रिस्किंग और डाइवर्सिफिकेशन की नीति को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह भविष्य की आर्थिक स्थिरता के लिए जरूरी है।

ऊर्जा सुरक्षा पर भारत का रुख स्पष्ट : ऊर्जा सुरक्षा पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत की ऊर्जा नीति राष्ट्रीय हितों पर आधारित है। देश अपनी जरूरतों के अनुसार ही ऊर्जा खरीदता है, जिसमें उपलब्धता और वहनीयता प्रमुख मानदंड होते हैं। पश्चिम एशिया के साथ संबंधों पर विशेष जोर जयशंकर ने पश्चिम एशिया की भूमिका को भारत की विदेश नीति में अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि खाड़ी क्षेत्र भारत के लिए ऊर्जा, रणनीतिक सहयोग और लोगों के बीच मजबूत संबंधों का केंद्र है।

भारत-यूरोप संबंधों में नई गति : विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच संबंध तेजी से मजबूत हो रहे हैं। इस वर्ष दोनों पक्षों के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत पूरी हुई है, साथ ही रणनीतिक और रक्षा साझेदारी को भी आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि यह भारत-यूरोप संबंधों की बढ़ती गहराई को दर्शाता है।

भारत से सीमा विवाद पर नेपाल सरकार का यू-टर्न, बोला- बातचीत से सुलझाएंगे सीमा विवाद

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल-भारत सीमा विवाद में तीसरे देश की मध्यस्थता मामले में नेपाल सरकार यू-टर्न ले लिया है। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बताया कि सरकार पड़ोसी देश के साथ सीमा विवाद आपसी बातचीत करके सुलझाना चाहती है। बुधवार को नेपाली संसद में संबोधित करते हुए खनाल ने कहा कि नेपाल-भारत के बीच सीमा विवाद दोनों देश के बीच का मामला है। नेपाल समझौतों, ऐतिहासिक संधियों और नक्शों के आधार पर कूटनीतिक बातचीत के जरिए विवाद सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध है।

संबोधन के दौरान विदेश मंत्री ने कहा कि नेपाल-भारत के बीच सीमा कार्य समूह और अन्य निकायों ने फिर से काम करना शुरू कर दिया है जहां प्रगति काफी समय से रुकी थी।

पहले भी दी है सफाई : बता दें, पिछले हफ्ते ही नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल भारत दौरे पर आए थे। इस दौरान उन्होंने अपने समकक्ष विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात भी की थी। मीडिया एजेंसी से बातचीत में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के भारतीय इलाके पर नेपाल के कब्जे के बारे में दिए गए बयान पर नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने कहा, 'मेरे विदेश मंत्रालय ने इस पर पहले ही साफ कर दिया है। प्रधानमंत्री उस समय बोल रहे थे जब वे सीमा-पार कब्जे से जुड़े एक सवाल का जवाब दे रहे थे। इसलिए हमने इस बारे में पहले ही साफ कर दिया है। भारत और नेपाल के संबंध ऐतिहासिक और धार्मिक रूप से सदियों से रहा है। दोनों देशों के बीच खुली सीमा है। सदियों से ही नेपाल-भारत में रोटी-बेटी का संबंध रहा है। पिछले कई वर्षों से भारत और नेपाल के बीच सीमा विवाद चल रहा है। इसको लेकर दोनों देशों के बीच समय-समय पर तनाव भी सामने आया।

हाल ही में नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने यह कहकर सनसनी मचा दी कि भारत ही नहीं नेपाल ने भी भारत की जमीन पर कब्जा किया हुआ है। साथ ही उन्होंने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता के लिए ब्रिटेन से आग्रह भी किया था, जिसे ब्रिटेन ने ठुकरा दिया था। विशेषज्ञों की मानें तो नेपाल ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने की कोशिश की थी, लेकिन उनका यह दांव उल्टा पड़ गया।

नहीं रहीं थाइलैंड की भावी रानी, तीन साल से कोमा में थीं प्रिंसेज बज्रकितियाभा

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड की भावी शासक राजकुमारी, बज्रकितियाभा का निधन हो गया है। शुक्रवार सुबह शाही परिवार ने एक बयान जारी कर इसकी पुष्टि की है। राजा महा वजिरालॉन्गकॉर्न की सबसे बड़ी बेटी और देश की सबसे लोकप्रिय शाही हस्तियों में से एक, 'प्रिंसेस भा' पिछले साढ़े 3 साल से लाइफ सपोर्ट सिस्टम के सहारे कोमा में थीं। अब उनकी मौत से पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई है।

पैलेस द्वारा जारी बयान के मुताबिक, 47 वर्षीय राजकुमारी बज्रकितियाभा ने बैंकॉक के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। इससे पहले शाही परिवार ने बीते दिनों एक बयान जारी कर बताया था कि उनकी हालत बिगड़ती जा रही है। मेडिकल टीम ने बताया था कि उनके पेट और आंतों में इन्फेक्शन फैल गया था और उनके कई अंदरूनी अंगों ने काम

करना बंद कर दिया था। डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद स्थानीय समयानुसार गुरुवार रात उनका निधन हो गया।

दिसंबर 2022 में हो गई थीं बेहोश : राजकुमारी बज्रकितियाभा दिसंबर 2022 में बैंकॉक में अपने पालतू कुत्तों को वॉक कराने के दौरान अचानक बेहोश होकर गिर पड़ी थीं। डॉक्टरों के मुताबिक, दिल में माइकोप्लाज्मा इन्फेक्शन के कारण अचानक उनकी दिल की धड़कनें पूरी तरह अनियमित हो गई थीं। इससे उनके दिमाग में ऑक्सीजन की कमी हुई और वह कोमा में चली गईं। तब से उन्हें मशीनों के सहारे ही जीवित रखा गया था।

सबसे योग्य उत्तराधिकारी थीं प्रिंसेज : राजकुमारी को यहां के लोग प्यार से प्रिंसेज भा कहा करते थे। राजा वजिरालॉन्गकॉर्न की पहली पत्नी सोअमसावली से जन्मीं प्रिंसेज भा का जन्म 7 दिसंबर 1978 को हुआ था। वह अपने पिता की सात संतानों में सबसे बड़ी थीं। बचपन से ही वे काफी मेधावी थीं। आगे चलकर वे वह एक बेहद काबिल वकील थीं। उन्होंने अमेरिका की प्रतिष्ठित कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से कानून में एलएलएम और डॉक्टरेट की डिग्रियां हासिल की थीं। इसके बाद उन्हें राजघराने से अहम जिम्मेदारियां भी मिलीं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में थाई मिशन के लिए काम किया। इसके बाद वे 2012 से 2014 तक ऑस्ट्रिया में थाईलैंड की राजदूत रहीं। इसके अलावा प्रिंसेज भा ने थाईलैंड की जेलों में बंद महिला कैदियों की स्थिति सुधारने और ड्रग्स मामलों में मिलने वाली कड़ी सजाओं के खिलाफ कानून में बड़े सुधारों की वकालत भी की थी। 2021 में उनके पिता ने उन्हें अपनी पर्सनल बॉडीगार्ड विंग का चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया था और उन्हें जनरल की रैंक दी थी। राजकुमारी बज्रकितियाभा के निधन से थाईलैंड में उत्तराधिकार को लेकर बड़ा संकट खड़ा हो गया है। 73 वर्षीय राजा वजिरालॉन्गकॉर्न ने अभी तक आधिकारिक रूप से अपने उत्तराधिकारी का नाम घोषित नहीं किया है। प्रिंसेस भा के निधन से पहले उन्हें ही सबसे योग्य उम्मीदवार माना जा रहा था।

पीओके में पाकिस्तानी सैनिकों ने फिर बरपाया कहर, फायरिंग में 16 की मौत

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में सस्ता आटा-चावल, किफायती बिजली और बुनियादी अधिकारों की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे आम लोगों को एक बार फिर पाकिस्तानी सेना का कहर झेलना पड़ा। रावलकोट के ईदगाह मैदान में गुरुवार को उस समय भयानक मंजर नजर आया जब सैनिकों ने बिना चेतावनी गोलियां बरसानी शुरू कर दीं, जिसमें कम से कम 16 निहत्थे प्रदर्शनकारी मारे गए और 37 अन्य घायल हो गए। रावलकोट में आर्थिक तंगी से जूझ रहे करीब 60 से 70 हजार लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। इसमें पुरुष, महिलाएं और युवा सभी शामिल हैं। ईदगाह मैदान में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पाकिस्तानी सेना और रेंजर्स की गोलियों की बरसात से अचानक हर तरफ भगदड़ मच गई। थोड़ी ही देर में पूरे इलाके में मंजर एकदम दिल दहला देने

वाला था। खून से सनी सड़कों और खेतों में अपनों को ढूंढ़ते दुखी परिवार हक की आवाज उठाने की मानवीय कीमत चुकाने की निशानी बन गए हैं। पीओके में शुक्रवार से जारी विरोध प्रदर्शनों के दौरान इस तरह की दमनकारी कार्रवाई में अब तक 53 लोगों की जान जा चुकी है। पाकिस्तानी सेना यहां जितनी दमनकारी कार्रवाई कर रही है, सड़कों पर उतरे लोगों का हौसला उससे कहीं ज्यादा बुलंद है। इस खूनी कहर के बावजूद सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शनकारी अब भी अपनी मांगों से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

आर-पार के मूड में जनता : गोलीबारी के बाद भीड़ को संबोधित करते हुए आंदोलन के नेता सरदार अमन खान ने कहा कि संघर्ष अब एक निर्णायक दौर में पहुंच गया है और संकल्प लिया कि जान-माल के नुकसान के बावजूद यह आंदोलन जारी रहेगा। सड़कों पर मौजूद लोग कोई हथियार नहीं लिए हैं। वे बस सस्ते भोजन, सस्ती बिजली और सम्मानजनक जीवन की मांग कर रहे हैं। फिर भी, उन्हें जवाब में गोलियां मिली हैं।

ईरान की हिट लिस्ट में कई कंपनियां: मस्क की कंपनी पर भी हमले की आशंका

तेहरान , एजेंसी। ईरान ने एक चेतावनी जारी की है। उसने कहा है कि वह एलन मस्क के सभी व्यापारिक संस्थानों को सैन्य निशाना मानेगा। इसमें स्पेसएक्स की स्टारलिंक इंटरनेट सेवा और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) शामिल हैं। ईरान की सरकारी मीडिया 'फार्स' के अनुसार, तेहरान ने अपनी सैन्य हिट लिस्ट बढ़ा दी है। अब इसमें पश्चिम एशिया में मौजूद मस्क की कंपनियों से जुड़े सभी आर्थिक हित और स्टारलिंक के ग्राउंड स्टेशन शामिल हैं।

ईरान का दावा : ईरानी अधिकारियों का दावा है कि मस्क की कंपनियां अमेरिका और इस्रायल की सैन्य कार्रवाइयों में सक्रिय रूप से मदद कर रही हैं। उनका कहना है कि ये कंपनियां ड्रोन हमलों और मानवरहित समुद्री जहाजों जैसे आधुनिक हथियारों को चलाने में सहयोग देती हैं। ईरान का मानना है कि अमेरिका ने मस्क की कंपनियों की मदद से युद्ध अपराध किए हैं। इसलिए ईरान इन कंपनियों के ठिकानों पर हमला करने का पूरा अधिकार रखता है।

ईरान की यह चेतावनी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक सोशल मीडिया पोस्ट के तुरंत बाद आई है। ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अमेरिका ईरान पर बहुत जोरदार हमला करेगा। ट्रंप ने यह भी कहा था कि अमेरिकी सेना ईरान के मुख्य तेल निर्यात केंद्र खार्ग द्वीप पर कब्जा कर लेगी।

ईरान इन कंपनियों पर भी लगा चुका है आरोप : एलन मस्क की कंपनियों को धमकी

देना ईरान की पहली ऐसी कोशिश नहीं है। इस साल की शुरुआत में ईरान की 'इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) ने अपना ध्यान पारंपरिक हथियारों से हटाकर सूचना तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनियों पर लगाया था। आईआरजीसी ने 18 से ज्यादा बड़ी अमेरिकी कंपनियों को अपनी हिट लिस्ट में शामिल किया है। इसमें मेटा (फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप), गूगल, एप्पल, माइक्रोसॉफ्ट, इंटेल और एनवीडिया जैसी कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा बोइंग, टेस्ला और पालान्टिर को भी निशाना बनाने की बात कही गई है। इससे पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। खबरों के मुताबिक, संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन में अमेजन वेब सर्विसेज के डेटा सेंटरों को ईरानी ड्रोन हमलों से नुकसान पहुंचा था। इन हमलों की वजह से वहां बिजली की सप्लाई रुक गई थी और आग बुझाने वाले सिस्टम से पानी निकलने के कारण काफी नुकसान हुआ था। ईरान अब इन सभी कंपनियों को जायज निशाना मान रहा है।

ईरान पर हमला नहीं करेगा अमेरिका, ट्रंप ने लिया यू-टर्न

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ तय किए गए बड़े हमलों को अचानक रद्द कर दिया है। साथ ही उन्होंने व्यापक शांति समझौते की संभावना जताई है और कहा है कि समझौते पर हस्ताक्षर करने का समय व स्थान बहुत जल्द घोषित किया जाएगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रूथ सोशल' पर विस्तृत पोस्ट में लिखा कि ईरान के साथ हुई चर्चाओं के अंतिम बिंदुओं को संयुक्त राज्य अमेरिका, इजरायल, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, तुर्की, पाकिस्तान, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन, मिस्र और अन्य सभी संबंधित पक्षों ने मान लिया है।

इस दौरान उन्होंने कहा कि ईरानी नेतृत्व के उच्चतम स्तर पर बातचीत पहुंचाई गई थी और उसे मंजूरी मिल चुकी है। इसलिए मैंने अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में आज शाम ईरान के खिलाफ निर्धारित सभी हमलों और बमबारी को रद्द कर दिया है। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि शांति समझौता अंतिम रूप से हस्ताक्षरित होने तक नौसैनिक नाकाबंदी पूरी तरह लागू रहेगी। हस्ताक्षर की तारीख, समय और स्थान की घोषणा शीघ्र की जाएगी।

कुछ घंटे पहले दी थी सख्त चेतावनी : इससे महज कुछ घंटे पहले ट्रंप ने ईरान पर 'बहुत कड़ी और शक्तिशाली' कार्रवाई की चेतावनी दी थी। उन्होंने ईरान के प्रमुख तेल बुनियादी ढांचे पर कब्जे की बात कही थी, जिसे पूर्ण युद्ध की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा था। ट्रंप ने लगातार तीसरी रात 'बड़े और अधिक शक्तिशाली' हमलों की धमकी देते हुए कहा था कि तेहरान को अपने नाममात्र के युद्धविराम को स्थायी शांति समझौते में बदलना होगा। उन्होंने खासतौर पर खार्ग द्वीप का जिक्र करते हुए कहा था कि हम खार्ग द्वीप और ईरान की अन्य महत्वपूर्ण तेल अवसंरचना सुविधाओं पर

कब्जा कर लेंगे। वेनेजुएला की तरह हम उनके तेल और गैस बाजारों पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित कर देंगे।

चरम पर पहुंच गया था तनाव : दरअसल, हाल के दिनों में दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया था। अमेरिका ने ईरान पर कई हमले किए, जिन्हें वाशिंगटन ने खाड़ी क्षेत्र में तैनात अपने अपाचे हेलीकॉप्टर को ईरानी बलों द्वारा गिराए जाने का जवाब बताया। ईरान ने इस दावे को पूरी तरह खारिज करते हुए इसे 'झूठा बहाना' करार दिया। जवाब में तेहरान ने बहरीन, जॉर्डन और कुवैत स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल व ड्रोन हमले किए। इसके अलावा ईरान ने होर्मुज की निगरानी करने वाले नए सैन्य निकाय के जरिए इस अत्यंत महत्वपूर्ण जलमार्ग को अगले आदेश तक बंद करने की घोषणा कर दी थी। अमेरिका ने ईरान की इस घोषणा को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि होर्मुज जलमार्ग अंतरराष्ट्रीय आवागमन के लिए खुला रहेगा और किसी भी बाधा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ट्रम्प का दावा- ईरान परमाणु हथियार भी नहीं खरीदेगा : राष्ट्रपति ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान ने न सिर्फ परमाणु हथियार विकसित नहीं करने, बल्कि उन्हें खरीदने से भी सहमति जताई है। ट्रम्प के मुताबिक, शुरुआती समझौते में सिर्फ परमाणु हथियार विकसित न करने की बात थी। उन्होंने कहा, 'मैंने पूछा कि खरीदने का क्या होगा? उन्होंने कहा कि यह शामिल नहीं है। दो दिन बाद वे इस पर भी सहमत हो गए। हमें वह सब मिल गया जो हम चाहते थे।' होर्मुज स्ट्रेट से एक तेल टैंकर गुजरता हुआ। ठीक उस समय जब ईरान ने घोषणा की थी कि स्ट्रेट को फिर से बंद कर दिया जाएगा। होर्मुज स्ट्रेट से एक तेल टैंकर गुजरता हुआ। ठीक उस समय जब ईरान ने घोषणा की थी कि स्ट्रेट को फिर से बंद कर दिया जाएगा। राष्ट्रपति ट्रम्प के ईरान पर प्रस्तावित सैन्य हमला टालने के फैसले के बाद वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों में गिरावट जारी है। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 1.21 डॉलर यानी 1.3% गिरकर 89.17 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, अमेरिकी WTI क्रूड 1.23 डॉलर यानी 1.4% टूटकर 86.48 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

जिराफ की तरह होती हैं गेरेनक की गर्दन

'हॉर्न ऑफ अफ्रीका' के देशों व अफ्रीकन ग्रेट लेक्स में पाया जाने वाला गेरेनक एक ऐसा हिरन है, जो अपनी पतली और लंबी गरदन और छरहरे शरीर के कारण 'जिराफ हिरन' के नाम से जाना जाता है। जब यह किसी पेड़ से सटकर पिछले दो पैरों पर खड़ा होकर उसकी पत्तियां खाता है, तो जिराफ की याद आ जाती है। इसकी लंबाई105 सेंटीमीटर और वजन 52 किलोग्राम तक हो सकती है।

समंदर में डूब रहे हैं दुनिया के ये बड़े शहर

जलवायु परिवर्तन की वजह से पूरी दुनिया में समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है.यही वजह है कि अब समुद्र के बढ़ते जलस्तर की वजह से कई शहरों के अस्तित्व पर ही खतरा मंडराने लगा है.कुछ ऐसे शहर हैं जो अब डूबने की कगार पर पहुंच गए हैं.समुद्र तटीय शहरों में बसे लोगों को इस खतरे का सबसे ज्यादा सामाना करना पड़ रहा है. जलवायु परिवर्तन पर प्रकाशित किए गए अध्ययन में इसका दावा किया गया है. अध्ययन में कहा गया है कि ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की वजह से पृथ्वी पर मौजूद बर्फ तेजी से पिघल रही है जिससे पूरी दुनिया में समुद्र का स्तर बढ़ता जा रहा है.यही वजह है कि समुद्र के पानी का विस्तार हो रहा है. परिणाम स्वरूप न्यू ऑरलियन्स और जकार्ता जैसे शहरों में समुद्र के स्तर में बहुत तेजी से वृद्धि हो रही है.पानी के बढ़ने के साथ ही इन तटीय शहरों की जमीन डूब रही है.

शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने अपने अध्ययन में पाया कि समुद्र के बढ़ते स्तर की वजह से डूबती हुई भूमि ने दुनिया भर के तटीय निवासियों को असुरक्षित बना दिया है.इन तटीय शहरों में वैश्विक स्तर के मुकाबले समुद्र तट के जल स्तर में वृद्धि तीन से चार गुणा ज्यादा है.

यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के टिंडाल सेंटर फॉर क्लाइमेट चेंज के अध्ययन के नेतृत्वकर्ता और स्टटी के लेखक रॉबर्ट निकोल्स ने कहा कि हम कोई पूर्वानुमान नहीं बता रहे हैं बल्कि हम जो हो रहा है उसके बारे में बात कर रहे हैं.यह बेहद महत्वपूर्ण और चिंताजनक विषय है.शोध में सिल्वर लाइनिंग का जिक्र करते हुए बताया गया कि जिस तरह मानव गतिविधि की वजह से धरती के एक बड़े हिस्से से भूजल गायब होता जा रहा.तटीय इलाकों में मानवीय गतिविधि की वजह से समुद्र से सटे इलाकों के डूबने का खतरा पैदा हो गया है.

रिसर्च में कहा गया है कि तटीय भूमि के लगातार कम होने के कुछ कारक मानव नियंत्रण से परे हैं.पृथ्वी के कुछ हिस्सों में अभी भी ग्लेशियरों के लुप्त होने से होने वाली समस्या को प्रकृति अपने तरीके से समायोजित कर रही है. लेकिन उन प्राकृतिक प्रक्रियाओं के अलावा, भूजल निकासी, तेल और गैस निकासी, रेत खनन, और नदियों के आसपास बाढ़ अवरोधों के निर्माण (बांध) सहित मानव गतिविधियां जमीन डूबने का कारण बन सकती हैं. उन स्थानों पर जहां लोग केंद्रित हैं, ये गतिविधियां, विशेष रूप से भूजल को खत्म करने, भूमि को और अधिक तेजी से कम करने का कारण बनती है, जो अकेले भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से होती है.20 वीं शताब्दी में, जकार्ता, न्यू ऑरलियन्स, शंघाई और बैंकाक के तटीय जमीन छह से 10 फीट तक पानी में डूब गए.सैटेलाइट के जरिए इन इलाकों की पैमाइश के अध्ययन से निष्कर्ष निकला कि समुद्री स्तर में वृद्धि प्रति वर्ष लगभग 33 मिलीमीटर (एक इंच के लगभग आठवें हिस्से) हो रही है. शोधकर्ता निकोलस और उनके सहयोगियों ने पाया कि औसतन, पृथ्वी की तटरेखाओं ने वास्तव में 1993 से 2015 के बीच लगभग 26 मिलीमीटर प्रति वर्ष (0.1 इंच) की तुलना में थोड़े कम सापेक्ष लिफ्ट का अनुभव किया है, क्योंकि ग्लेशियल रिबाउंड के कारण भूमि अभी भी बढ़ रही है.लेकिन ऐसा वहां नहीं हो रहा जहां अधिकांश लोग रहते हैं.इसी अवधि में, पृथ्वी के तटीय निवासियों ने समुद्र जल स्तर में औसतन 78 से 9 मिलीमीटर सालाना (लगभग आधा इंच) की वृद्धि देखी है. शोध के मुताबिक यह इस तथ्य को दर्शाता है कि तटीय निवासी तेजी से डूबने वाले क्षेत्रों पर आश्रित हैं जिसमें डूबते हुए डेल्टा और डूबते हुए शहर शामिल हैं.समस्या विशेष रूप से दक्षिण पूर्व एशिया में है, जहां 2015 में, 185 मिलियन लोग तटीय बाढ़ के मैदानों में रहते थे.तटीय इलाकों में रहने वाली लोगों की वैश्विक संख्या के 75 फीसदी लोग इन इलाकों में रहते हैं.ऐसे लोग नदी की बाढ़ और समुद्र के स्तर में वृद्धि दोनों के खतरों का सामना कर रहे हैं.

क्लाइमेट सेंट्रल नाम के प्रोजेक्ट ने ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से बढ़ते खतरों पर एक रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट में हैरान कर देने वाली बात कही गयी है। रिपोर्ट के मुताबिक समुद्री जलस्तर और बाढ़ की वजह से अगले 9 सालों में दुनिया के ये शहर डूब सकते हैं। सिर्फ यही नहीं इस सूची में भारत के कोलकाता शहर का भी नाम शामिल है। चलिए जानते है कि इस रिपोर्ट में किन शहरों के डूबने का खतरा बताया जा रहा है.

कुछ सालों में डूब जाएंगे दुनिया के ये बड़े शहर!

न्यू ओरलिंस, अमेरिका

अमेरिका के न्यू ओरलिंस शहर में नहरों और जलीय शाखाओं का जाल बिछा हुआ है। ये जाल न्यू ओरलिंस शहर को बाढ़ से बचाता है। अगर ये सुरक्षा जाल नहीं होता तो इस शहर में भारी तबाही मच जाती। वहीं अब कहा जा रहा है कि अगर समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ता है तो इस शहर के लिए खतरा है और ये शहर डूब जाएगा।

एम्स्टर्डम, द नीदरलैंड्स

द नीदरलैंड्स में एम्स्टर्डम, रॉटरडम और हॉग जैसे शहर कम ऊंचाई पर स्थित हैं और ये नॉर्थ सी के बेहद नजदीक हैं। लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि जिस हिसाब से समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, उसे देखकर लगता है कि ये शहर भी डूब जाऐंगे। इतना ही नहीं कोई भी डैम, बैरियर, फ्लडगेट इन शहरों को नहीं बचा पाएंगे।

बसरा, इराक

इराक ये शहर शत अल-अरब नाम की बड़ी नदी के किनारे बसा है। ये नदी पारस की खाड़ी से मिलती है। वहीं कई सारी नहरों और बैक वॉटर चैनल के जरिए ये शहर खाड़ी से जुड़ा है। इसकी वजह से इस शहर के आसपास काफी दलदली इलाका भी है। अगर समुद्री जलस्तर बढ़ता है तो इस शहर को खतरा है। बाढ़ आई तो इस शहर में काफी ज्यादा नुकसान हो सकता है। सिर्फ यही नहीं ये नक्शे से खत्म भी हो सकता है।

वेनिस, इटली

इटली का वेनिस शहर पानी के बीच में बसा हुआ है। यहां पर हर साल बाढ़ आती है। सबसे बड़ी बात ये है कि इस शहर में दो तरह का खतरा है। पहला समुद्र का जलस्तर बढ़ना और दूसरा ये शहर अपने आप डूब रहा है। हर साल 2 मिलिमीटर नीचे धंस रहा है। अगर समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ा तो 2030 तक ये शहर पानी के अंदर डूब जाएगा।

हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम

वियतनाम के पूर्वी इलाके में बसे इस शहर की ऊंचाई समुद्र तल से ज्यादा नहीं है। इस शहर को सबसे बड़ा खतरा मेकॉन्ग डेल्टा से है। इस डेल्टा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। वैज्ञानिकों को आशंका है कि हो ची मिन्ह सिटी साल 2030 तक पानी के अंदर डूब जाएगा।

बच्चो, पहले मुर्गी हुई या अंडा की पहेली तो आप लोग बाद में कभी हल करना, लेकिन आज हम आप को बांग देने वाला पक्षी मुर्गा के बारे में बता रहे हैं। सुबह-सुबह अपने कूंकूडू कूं से सबको जगाने वाला मुर्गा एक ऐसा पक्षी है, जो हमारी संस्कृति में रचा-बसा हुआ है। कहा जाता है कि मुर्गे की उत्पत्ति भारत भूमि पर हुई और यहां से ही पूरी दुनिया में मुर्गे को इंसान ले गया।

बांग देने वाला पक्षी मुर्गा

आज मुर्गे की जितनी भी नस्लें सारे संसार में हैं, वे सब लाल जंगली मुर्गे गैलस की वंशज हैं। यह अलग बात है कि आज लाल जंगली मुर्गा विलुप्त होने के कगार पर है। वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार मुर्गे और मानव जीवन में काफी समानताएं हैं। मानव और मुर्गे के जीनोम में से 50 फीसदी जीन आपस में मिलते हैं। मुर्गे को पालतू बनाने के कारणों में से प्रमुख है इनकी दिलचस्प लड़ाई। ऐसा माना जाता है कि मुर्गा काफी साहसी होता है। इस साहसी गुण के कारण ही इसको पालतू बनाया गया। इंसान में बहादुरी के कोई 20 लक्षणों की यदि लिस्ट बनाई जाए तो उसमें से चार गुण मुर्गे से जरूर मिल जाएंगे।

जब मुर्गे को पालतू बनाया गया तो इसके बारे में काफी कुछ लिखा गया। एक ऐसा पक्षी जिसके माथे पर चटक लाल रंग की कलगी और शरीर खूबसूरत लाल-काले, हरे, किंतु चमकदार पंखों से ढंका हुआ होता है। जब वह मिस्र के राज दरबार में पहली दफा पहुंचा तो उसे देखने वालों की खासी भीड़ जुटी। ऐसा माना जाता है कि लाल जंगली मुर्गे को सबसे पहले मोहनजोदड़ो और हड़प्पा में 2500-2100 ईसा पूर्व पालतू बनाया। इस दौर के बनाए चित्रों में मुर्गा दिखाई देता है। यहां अनेक मिट्टी के खिलौनों में भी नर और मादा मुर्गे को दिखाया गया है।

बिना सांस लिए भी जिंदा रहता है यह जीव

सांस लिए बिना कोई भी जीव-जंतु या इंसान की जिंदा रहना बेहद ही मुश्किल है। इस बात को हम सभी जानते हैं कि सांस के माध्यम से बिना ऑक्सीजन गैस लिए कोई जिंदा नहीं रह सकता है। लेकिन हाल ही में वैज्ञानिकों को एक ऐसा रहस्यमयी जीव (परजीवी) मिला है, जो बिना सांस लिए भी धरती पर जिंदा है। यह दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जिसके अंदर ये अनोखी विशेषता है। बता दें कि जेलीफिश की तरह दिखने वाले इस बहुकोशिकीय परजीवी में माइट्रोकॉन्ड्रियल जीनोम नहीं है। किसी भी जीव को सांस लेने के लिए माइट्रोकॉन्ड्रियल जीनोम बेहद ही जरूरी होता है। इन्हीं वजहों से इस परजीवी को जिंदा रहने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत नहीं पड़ती। इजरायल की तेल-अवीव यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं की टीम ने इस अद्भुत और रहस्यमय परजीवी की खोज की है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, यह परजीवी मछलियों से ऊर्जा प्राप्त करता है। लेकिन इस दौरान वो उन्हें किसी तरह का कोई नुकसान नहीं पहुंचाता। खास बात ये है कि मछलियां भी इस परजीवी को नुकसान नहीं पहुंचाती हैं। ये परजीवी साल्मन फिश में पाए जाते हैं और ये तब तक जिंदा रहते हैं, जब तक कि मछली जिंदा रहती है। इस जीव का वैज्ञानिक नाम हेन्नीगुया साल्मिनीकोला है। शोध के प्रमुख डयाना याहलोमी ने बताया कि यह जीव इंसानों या दूसरे जीवों के लिए बिल्कुल भी नुकसानदायक नहीं है। हालांकि, यह अब तक रहस्य ही बना हुआ है कि आखिर इस तरह का जीव पृथ्वी पर विकसित कैसे हुआ, जो बिना ऑक्सीजन के भी जिंदा रह सकता है। शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने इस परजीवी को फ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोप से देखा, जिसमें उन्हें माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए नहीं दिखा। इसके बाद यह स्थिति साफ हो गई कि यह दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जिसे जीने के लिए सांस लेना जरूरी नहीं है। हालांकि, साल 2010 में भी इटली के शोधकर्ताओं को इसी तरह का एक जीव मिला था, जिसमें साफतौर पर माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए नहीं दिखा था। उसकी ऊर्जा का स्रोत हाइड्रोजन सल्फाइड था। लेकिन नए मिले इस जीव को तो हाइड्रोजन सल्फाइड की भी जरूरत नहीं है।

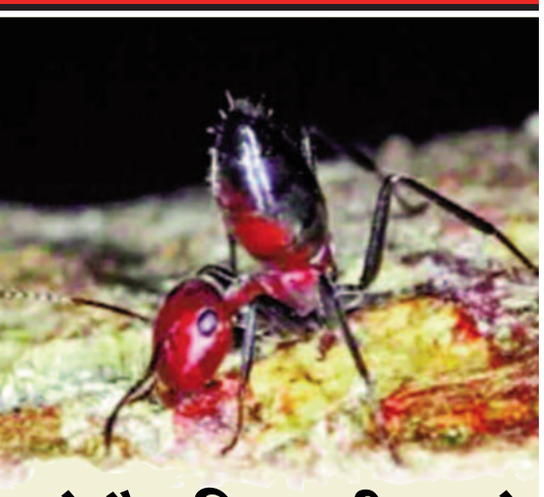

ये है दुनिया की सबसे खतरनाक चीटियां

दरअसल कुछ ऐसी चीटियों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई है। जोकि फिदायीन हमलावर की तरह अपने अंदर धमाका कर लेती हैं। बिल्कुल सही सुना आपने, दरअसल न्यूयॉर्क टाइम्स ने जनरल जूकीज में छपी स्टडी के मुताबिक ब्रूनेई के बेलालॉन्ग फील्ड स्टडीज सेंटर के सामने पेड़ों के करीब चीटियों के ऐसे कई घर मौजूद हैं। यह चीटियां अपने घर पर हमला होने की सूरत में अपनी जान तक दे देती हैं।

इन चींटियों के अंदर धमाका करने की एक खास प्रवृत्ति मौजूद है। और इसी वजह से इन्हें कोलोबोपसिस एक्सप्लोडेंस कहा जाता है। जब इन चीटियों के घोसले पर हमला या फिर अतिक्रमण कर दिया जाए तो यह चीटियां अपने पेट में धमाका कर लेती हैं। जिसके बाद इन चीटियों के पेट से चिपचिपा, चमकीला, पीला फ्लूइड बाहर निकल आता है। जो कि बहुत ज्यादा जहरीला होता है। ये बिल्कुल उसी तरह है जैसे कि मधुमक्खी डंक मारने के बाद अपने प्राण त्याग देती है उसी तरह यह चीटियां भी अपने घर को बचाने के लिए अपनी जान देने में पीछे नहीं रहती है। इन चींटियों के द्वारा पेट में किया जाने वाला ये धमाका इनके घरों को जरूर बचा लेता है। धमाका करने वाली चींटियों को एक्सप्लोडेंस नाम से जाना जाता है। जब इनके घर पर हमला होता है तो यह खुद के पेट मे धमाका कर लेती है। इसके पश्चात इनके पेट से जहरीला पिला चमकीला फ्लूइड बाहर निकलने लगता है। जिस प्रकार मधुमक्खी डंक लगाने के बाद मार जाती है ठीक उसी प्रकार ये चींटियां भी अपना घर बचने के लिए खुद को इस धमाके में नष्ट कर लेती है।

दरअसल वैज्ञानिक अपने अंदर धमाका करने वाली इन चीटियों के बारे में पिछले 200 साल से भी ज्यादा वक्त से जानते हैं। और आपको बतादें की साल 1916 में पहली बार इन चींटियों के बारे में बताया गया था। लेकिन साल 1935 से इस समूह की चींटियों को कोई भी आधिकारिक नाम नहीं मिला था।

चीटियों को आप किस वजह से पहचानते हैं। उनकी मेहनत की वजह से, चीटियां अपने धुन की पक्की होती है और चीटियां जब तक अपने काम को पूरा नहीं कर लेती वह रुकती नहीं है। इसके अलावा चीटियों की तारीफ इस वजह से भी की जाती है कि चीटियां इतनी छोटी होने के बावजूद भी अपने से कई गुना वजन को उठा लेती हैं। चीटियों का ये सामाजिक ताना-बाना बड़ा ही कमाल का है। लेकिन चीटियों से जुड़ी हुई एक ऐसी खबर आई है। जिसे जानने के बाद आप हैरान रह जाएंगे।

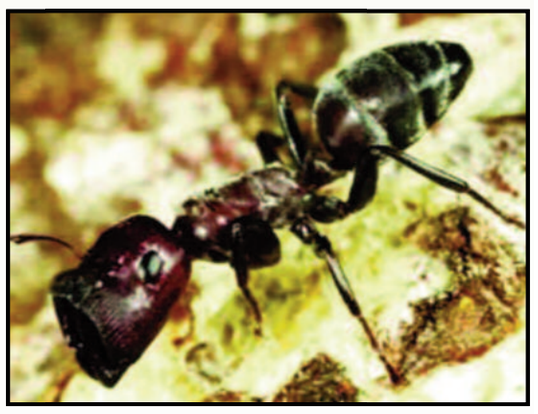

हाथी और चूहा

एक बहुत घना जंगल था। इतना कि उसमें सूर्य की किरणें भी नहीं पहुंच पाती थीं। इस जंगल में तरह-तरह के भयानक जानवर थे। सभी सुख-चैन से रह रहे थे। एक दिन उस घने और भयानक जंगल में एक हाथी आ पहुंचा। देखने में पहाड़ जैसा ऊंचा और शक्तिवान। जब वह चलता, तो सारे जानवर उसे छिपकर देखते थे। उसके चिंघाड़ने से जंगल में भगदड़ मच जाती थी। बड़े जानवर छिप जाते और छोटे जानवर अपनी मांदों में दुबक जाते। जंगल के जानवरों का सुख-चैन छिन गया।

यह देख, हाथी बहुत परेशान रहने लगा। उसकी समझ में कुछ नहीं आ रहा था। वह तो उन्हें दोस्त बनाने के लिए प्यार से आवाज लगाता था, पर होता उलटा ही था। उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर उसमें कौन सी बुरी आदत है? वह रात-दिन यही सोचने लगा।

एक दिन हाथी उदास मन से धीरे-धीरे घूम रहा था। जब वह जंगल के एक पुराने बरगद के नीचे पहुंचा, तो उसे एक चीख सुनाई पड़ी। कोई चिल्ला रहा था, बचाओ-बचाओ! हाथी ने सिर उठाकर देखा, एक नन्हा सा चूहा पेड़ की टहनियों में उलझा चिल्ला रहा था। हाथी बोला, घबराओ नहीं, मैं अभी तुम्हें बचाता हूं। हाथी को देखकर पहले तो चूहा कुछ डरा। लेकिन मरता क्या न करता! चूहा डर भूल गया और हाथी को डबडबाई आंखों से देखने लगा। हाथी ने अपनी सूंड ऊपर उठा दी और चूहा उस पर बैठकर नीचे उतर आया।

नीचे आते ही चूहा तेजी से भाग गया। उसने पीछे मुड़कर भी नहीं देखा। बेचारे हाथी ने तो सोचा था कि चूहा ही उसका दोस्त बनेगा, पर वह भी भाग गया। अब हाथी को विश्वास हो गया कि उसका कोई भी दोस्त नहीं बन सकता। यह सोचकर वह रोने लगा।

लेकिन थोड़ी ही देर में चिड़ियों का मधुर गाना उसे सुनाई पड़ने लगा। ऐसा गाना उसने इस जंगल में पहले कभी नहीं सुना था। देखते ही देखते जंगल के सारे जानवर हाथी के चारों तरफ एक घेरा बनाकर नाचने-गाने लगे। कोई सीटी बजा रहा था, तो बंदर ढोल पीट रहा था। शेर सुरीली आवाज में गा रहा था। हाथी को यह सब एक सपने की तरह लग रहा था। हाथी ने हैरानी से देखा, झुंड में वही चूहा सबसे आगे था, जिसे हाथी ने बचाया था।

उस छोटे चूहे ने कहा, आज तुमने मुझे बचाया है। तुम बहुत ही अच्छे हो। शरीर से चाहे कितने ही बड़े हो, परंतु तुम्हारा दिल दया और प्रेम से भरा हुआ है। आज से तुम हम सबके दोस्त हो और हम सब तुम्हारे। हाथी ने उन्हें बताया कि असल में उसका जोर से बोलने का मतलब जानवरों को डराना और नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि दोस्त बनाना था। अब हाथी भी उस नाच-गाने में शामिल हो गया। सारे जानवर और भी झूम-झूमकर नाचने लगे। हाथी फिर कभी इतने जोर से नहीं चिल्लाया।

अलकनंदा नदी में किया 7 हजार महाशीर मछली की उंगलिकाओं का प्रवाहन

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत अलकनंदा नदी की जैव-विविधता को सशक्त बनाने और नदीय पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के उद्देश्य से शनिवार को धारी देवी के निकट अलकनंदा नदी में 7 हजार महाशीर मछली की उंगलिकाओं (फिंगरलिंग्स) का प्रवाहन किया गया।

इस महत्वपूर्ण पहल को केंद्रीय अंतर्देशीय मत्स्य अनुसंधान संस्थान (सीआईएफआरआई) बैरकपुर, कोलकाता, जंतु विज्ञान विभाग, गढ़वाल विवि और मत्स्य विभाग टिहरी गढ़वाल के संयुक्त सहयोग से अंजाम दिया गया। इस दौरान नदी संरक्षण, जलीय जीवों के संवर्धन और जैव-विविधता संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया। गढ़वाल विवि के फिश हैचरी के समन्वयक प्रो. दीपक सिंह भंडारी ने कहा कि महाशीर उत्तराखंड की राज्य मछली है और हिमालयी नदियों की पारिस्थितिकी में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। बताया कि विभिन्न कारणों से प्रदेश की नदियों में महाशीर की संख्या लगातार घट रही है। अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ द्वारा भी इसे संकटग्रस्त श्रेणी में रखा गया है, इसलिए इसका संरक्षण समय की बड़ी

आवश्यकता है। बताया कि जन्तु विज्ञान विभाग, चैरास परिसर स्थित फिश हैचरी का विकास अलकनंदा हाइड्रोपावर कंपनी के सहयोग से किया गया था। इसी हैचरी तथा टिहरी गढ़वाल स्थित मत्स्य विभाग की हैचरी में विकसित महाशीर प्रजाति की 7 हजार उंगलिकाओं को अलकनंदा नदी में प्रवाहित किया गया। दोनों हैचरियों को नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत सीआईएफआरआई, बैरकपुर द्वारा आंशिक वित्तीय सहायता भी प्रदान की जा रही है। बताया कि महासीर मछली प्राचीन काल से ही खाने में एक प्रमुख प्रोटीन एवं ओमेगा फैटी एसिड का स्रोत मानी जाती रही है। यह मछली एक खेल मछली (गेम फिश) के रूप में भी प्रसिद्ध है जो पर्यटकों व सैलानियों को आकर्षित करती रही है। बताया कि विभिन्न मानव जनित कारणों जिनमें अत्यधिक दोहन, अवैध दोहन, अवैज्ञानिक दोहन (मत्स्य आखेट हेतु विद्युत धारा प्रयोग, डाइनामाइटिंग, जलधाराओं में जहर का प्रयोग, आदि), जल प्रदूषण, वास स्थल विनास (नदी से बिल्डिंग मैटीरियल की निकासी से), विभिन्न विदेशी प्रजातियों का क्षेत्र में आगमन एवं जल विद्युत परियोजना हेतु बांध निर्माण के कारण महासीर मछली की संख्या पर विपरीत प्रभाव पड़ता रहा है। जिस कारण इसकी संख्या लगातार घट रही है।

आश्वासन पर पर्यावरण मित्रों की हड़ताल समाप्त

रुद्रप्रयाग। अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ से जुड़े नगरपालिका एवं मोहल्ला स्वच्छता समिति के कर्मचारियों ने नगर पालिका अध्यक्ष व ईओ के आश्वासन के बाद हड़ताल समाप्त कर दी। उन्होंने कहा कि यदि एक सप्ताह में विभिन्न मांगों पर कार्रवाई नही हुई तो वे दोबारा हड़ताल शुरू कर देंगे। शनिवार को पालिका कार्यालय में नगर पालिका अध्यक्ष संतोष रावत व अधिशासी अधिकारी हरेंद्र चौहान के साथ पर्यावरण मित्र व सफाई कर्मियों की वार्ता हुई। नगर पालिका अध्यक्ष ने एक सप्ताह में समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया। कहा कि आगामी सप्ताह में बोर्ड एवं चयन समिति के साथ बैठक करते हुए सकारात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद सफाई कर्मियों ने हड़ताल स्थगित कर दी है। वार्ता के दौरान संगठन के मुख्य सलाहकार आनंद सिंह गोडियाल, अध्यक्ष मनीष गोडियाल, नगर उपाध्यक्ष सुधेश कुमार, सचिव गौरव कुमार, संगठन मंत्री प्रमोद कुमार, कोषाध्यक्ष खजान सिंह, प्रचार मंत्री अरुण कुमार और रिकू आदि मौजूद रहे।

अस्पताल में सुविधाओं के लिए अब आमरण अनशन शुरू

चमोली। सिमली महिला बेस अस्पताल में प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग के लिए ग्राम प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष उमेश खंडूड़ी का आठ दिनों से चल रहा सत्याग्रह आंदोलन अब आमरण अनशन में तब्दील हो गया। इस दौरान ब्लॉक के विभिन्न ग्राम पंचायतों से आए प्रधानों ने धरना स्थल से अस्पताल तक रैली भी निकाली।प्रधानों ने सरकार से जनपद के केंद्र बिंदु में स्थित इस बेस अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों और अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने की मांग की। उमेश खंडूड़ी ने कहा कि बीते आठ दिनों से विशेषज्ञ चिकित्सकों, एक्सरे, अल्ट्रासाउंड तकनीशियन और पैथोलॉजी लैब जैसी व्यवस्थाओं की मांग की जा रही है। मगर प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की ओर से इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। खरसाई की प्रधान शिवानी चौधरी, सिरण की लीला देवी, कनखुल की किरण और सिंद्रवाणी की प्रीति नेगी ने कहा कि दो वर्ष पूर्व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गैरसैंण में महिला बेस अस्पताल को पूर्ण बेस अस्पताल बनाने की घोषणा की थी लेकिन अभी तक इसका शासनादेश जारी नहीं हुआ है और न ही महिला रोग विशेषज्ञ की तैनाती भी नहीं हो पाई है। प्रधानों ने चेतावनी दी यदि जल्द मांग पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन उग्र करेंगे। इस मौके पर सिदोली के प्रधान सुभाष पांडेय, सुखतोली के जयवीर तोपाल, गैंथी के मनवीर सिंह, सुनाक के उत्तम चौधरी, ऐंड के राकेश सिंह, क्षेपंस पंकज लडोला आदि मौजूद थे।

एक नजर

पीड़ित परिवार को न्याय दिलाएगी सरकार : कर्णवाल

नई टिहरी। समाज कल्याण योजनाएं एवं अनुश्रवण समिति के उपाध्यक्ष देशराज कर्णवाल ने प्रतापनगर देवल गांव निवासी केतन लाल की मौत पर गहरा दुख व्यक्त जताया। मृतक के गांव देवल पहुंच कर उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाया। कहा कि सरकार पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए मजबूत पैरवी करेगी। उन्होंने पुलिस प्रशासन से घटना क्रम पर अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी परिजनों से साझा की। इस घटना के दौरान घायल दिवाकर डिमरी के परिजनों से मुलाकात कर जानकारी ली। कहा जिस तरह से केतन लाल की लाठी-डंडों से निर्ममता से पिटाई की गई वह क्रूरता की पराकाष्ठा है। पुलिस उपाधीक्षक व घटना के जांच अधिकारी चंद्रमोहन सिंह से भी उन्होंने से मुलाकात कर घटना के संबंध में अब तक हुई कार्यवाही की जानकारी ली। इस अवसर नगर पंचायत लंबगांव के अध्यक्ष रोशन रांगड़, डॉ.प्रमोद उनियाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज रमोला,हर्षमणि सेमवाल,मुरारी रांगड़,परशुराम सेमवाल,सुभाष रमोला,एडीओ समाज कल्याण मयंक थपलियाल उपस्थित रहे।

मुयालगांव-डागर 16 किमी मोटर मार्ग का सर्वे कार्य शुरू

नई टिहरी। लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) ने मुख्यमंत्री घोषणा में शामिल मुयालगांव-गोदीखाल (डागर) मोटर मार्ग के निर्माण के लिए 16 किमी सड़क का सर्वे कार्य शुरू कर दिया है। इससे क्षेत्रवासियों में सड़क निर्माण कार्य जल्द शुरू होने की उम्मीद बढ़ गई है। यह मोटर मार्ग बनने से घनसाली के मुयालगांव क्षेत्र का कीर्तिनगर से सीधा संपर्क स्थापित होगा और मलेथा रेलवे स्टेशन तक आवागमन सुगम हो जाएगा। साथ ही घनसाली से कीर्तिनगर-श्रीनगर की दूरी करीब 35 किमी कम हो जाएगी। ढ़ाबसौड़ के प्रधान जितेंद्र शाह और अवतार सिंह रमोला ने कहा कि सड़क बनने से क्षेत्र के लोगों, विशेषकर एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय में अध्ययनरत भिलंगना क्षेत्र के छात्रों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे तथा विभाग से निर्माण कार्य में तेजी लाने की मांग की।

लोकगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों ने बटोरी दर्शकों की वाहवाही

नई टिहरी। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की पहल पर बौराड़ी स्थित विवेक मेमोरियल सुरगंगा संगीत विद्यालय में आयोजित 45 दिवसीय 'रिदम्स ऑफ ट्रेडिशन' (परंपरा की लय) लोक डांस एंड म्यूजिक कार्यशाला का शुक्रवार को रंगारंग समापन हुआ। समापन समारोह का शुभारंभ मैती मिलन के संस्थापक अनुसूया प्रसाद नौटियाल और डॉ. सीमा नौटियाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने लोक कला एवं संस्कृति के संरक्षण में सुरगंगा संगीत विद्यालय की भूमिका की सराहना की। कार्यक्रम में देवाशीष गैरोला और दिव्यांशु जखमोला ने ढोल-दमाऊ वादन, स्वास्तिक फोंदणी व नताल्या भट्ट ने बिहू नृत्य, अमूल ललित व आयुष डोभाल ने पंजाबी लोकगीत तथा श्रेया भट्ट व बबिता नेगी ने उत्तराखंडी लोकगीत प्रस्तुत किए। मीनाक्षी सेमवाल और साक्षी सुयाल ने राजस्थानी-गुजराती गीत, समीक्षा नेगी ने हिमाचली लोक संस्कृति, जबकि अरविंद कोहली और जस्सी नेगी ने गढ़वाली जागर की प्रस्तुति दी। संजय कुमार, प्रीति भट्ट और सुनीता फोंदणी ने गढ़वाली लोकगीतों से समां बांधा। आस्था और जखमोला ग्रुप की गढ़वाली नृत्य प्रस्तुति विशेष आकर्षण रही। इस अवसर पर रंजना पंत, आदित्य पांडेय, सपना नेगी, राहुल जखमोला, गुंजन जखमोला, सुषमा नकोटी, पिंकी पांडेय सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बाइक और स्कूटी की टक्कर में चार घायल

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ हाईवे पर गंगतल बेंजी सड़क के समीप बाइक और स्कूटी की टक्कर हो गई जिसमें चार लोग घायल हो गए। घटना के बाद एसडीआरएफ के उप निरीक्षक हरीश बंगारी के नेतृत्व में टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। एक युवक गंभीर है जिसे हायर सेंटर रेफर किया गया।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि केदारनाथ हाईवे पर दोपहर अलग-अलग दिशा से आ रही स्कूटी एवं बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में स्कूटी सवार दिव्यांशु (19) निवासी ग्राम मुसाढुंग रुद्रप्रयाग गंभीर घायल हो गया जबकि उनके साथ लिफ्ट लेकर सवार हुई पायल (18) निवासी गुनांऊ रुद्रप्रयाग घायल हो गईं। वहीं बाइक सवार वेदांग शर्मा (23) निवासी बिष्णु मंदिर रतनाम मध्य प्रदेश व आकाश शर्मा (25) रतनाम मध्य प्रदेश घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, पुलिस, आपदा प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंची। एसडीआरएफ ने रेस्क्यू करते हुए मध्य प्रदेश के रहने वाले यात्रियों को 108 की मदद से सीएचसी अगस्त्यमुनि भर्ती कराया जबकि स्कूटी सवार घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया। जिला चिकित्सालय में तैनात डॉ. मनीष ने बताया कि दिव्यांशु के सर में गंभीर चोट है। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेस चिकित्सालय श्रीनगर रेफर कर दिया गया है जबकि युवती ठीक है।

युवक पानी बढ़ने से बहा

अगस्तमुनि। राजकीय महाविद्यालय के समीप एक युवक मंदाकिनी नदी में नहाने गया और अचानक पानी बढ़ने से वह बह गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और युवक की तलाश में तलाश में जुट गई। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक गुमान सिंह ने बताया कि सुबह नौ बजे बनियाड़ी गांव निवासी नीरज नेगी नदी किनारे पूजा करने पहुंचा था। इसी दौरान वह स्नान करने के लिए नदी में उतरा। पिछले दो-तीन दिनों से क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश के कारण अचानक नदी का जलस्तर और प्रवाह तेज था और वह बह गया।

जनता दरबार में लोगों ने उठाया पानी की कमी का मुद्दा

रुद्रप्रयाग। ब्लॉक मुख्यालय प्रांगण में रुद्रप्रयाग के प्रभारी मंत्री गणेश जोशी की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान पानी की कमी का मुद्दा उठा। करीब 40 शिकायतें दर्ज हुईं जिनमें से 30 समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। जनता दरबार में मुख्य रूप से सड़क, बिजली, पानी, जंगली जानवरों के आतंक और स्कूलों में शिक्षकों की कमी के मुद्दे छाए रहे।

सुनवाई के दौरान थापली गांव के सम्पूर्णानन्द सेमवाल ने वर्ष 2016 से लंबित सड़क निर्माण और वन विभाग की नर्सरी के कारण आ रही अड़चनों का मामला उठाया। इस पर उप प्रभागीय वनाधिकारी ने जल्द निरीक्षण कर समाधान का भरोसा दिया। महावीर सिंह राणा ने हिलाईं नदी में पानी की कमी और बजीरा तक टूटी नहर की मरम्मत के लिए एचडीपीई पाइप लगाने की मांग की। इस पर सिंचाई विभाग ने 15 दिनों में व्यवस्था करने की बात कही। ग्राम बरसिर में लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या पर जल निगम के सहायक अभियंता ने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इसके अतिरिक्त, ग्राम किमाना की मीना देवी ने पिछले वर्ष आपदा में क्षतिग्रस्त हुए मत्स्य पालन टैंक व खेती की जमीन का मुद्दा उठाते हुए बजट की कमी के कारण हो रही देरी पर चिंता जताई। इस पर लघु सिंचाई विभाग ने त्वरित वैकल्पिक व्यवस्था बनाने का आश्वासन दिया। प्रभारी मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि सभी अधिकारी जनता की समस्याओं का समय पर निस्तारण करें।

सड़क सुरक्षा जागरूकता से ही कम होंगी दुर्घटनाएं : पायल सिंह

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से रैतोली में सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा अभियान को लेकर जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव पायल सिंह ने की। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा जागरूकता से ही दुर्घटनाएं कम होंगी। उन्होंने सड़क सुरक्षा को प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग करें और निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना के बाद घायल को समय पर चिकित्सालय पहुंचाए। कार्यक्रम में वाहन चालकों को यातायात नियमों, सड़क संकेतों, ओवरटेकिंग संबंधी नियमों तथा सुरक्षित ड्राइविंग के बारे में जागरूक किया गया। इस मौके पर चेतन प्रकाश, विजय कुमार आर्य, शंकर सिंह पुंडीर, यशोदा खत्री आदि मौजूद रहे।

विवाद सुलझा, प्राणमति नदी पर झूला पुल का काम शुरू

चमोली। तीन साल के विवाद के बाद आखिरकार प्राणमति नदी पर झूला पुल का निर्माण कार्य शनिवार से शुरू हो गया है। इस पुल के बनने से थराली गांव, सूना, पैनगढ़ और देवलग्वाड़ सहित पांच गांवों के चार हजार से अधिक ग्रामीणों को आवाजाही में सुविधा मिलेगी। खासकर बरसात के चार महीनों में उनकी परेशानी कम होगी।12 जून 2022 को प्राणमति नदी के उफान पर आने से थराली के पास एक मोटर पुल और एक झूला पुल बह गए थे। तब से ग्रामीण यहां अस्थायी पुलिया बनाकर आवाजाही कर रहे थे। मगर बरसात में पुलिया टूटने से ग्रामीण हर वर्ष घरों में ही कैद हो जाते थे। वर्ष 2023 में एक झूला पुल बनाया गया था लेकिन वह भी नदी में बह गया। उस समय ठेकेदार पर पुल को नदी के स्तर से कम ऊंचाई पर बनाने का आरोप लगा था। बाद में 2023 में पुल के एबेटमेंट (पिलर) स्थल को बदला गया और देवकुना गांव के नीचे से एबेटमेंट बनाए गए। हालांकि यह भूमि देवकुना गांव के एक परिवार की थी जिसने मुआवजे

के बिना सहमति नहीं दी थी। कई दौर की बातचीत के बाद अब मुआवजे की धनराशि स्वीकृत हुई है। इस पर ग्रामीण ने भूमि दे दी और शनिवार को यहां पुल का काम शुरू हो सका। इस अवसर पर थराली विधायक भूपाल राम टम्टा, ब्लॉक प्रमुख प्रवीण पुरोहित, सूना गांव की सामाजिक कार्यकर्ता नरेश देवराड़ी, नंदाबल्लभ देवराड़ी, प्रेम देवराड़ी, मोहन बहुगुणा, मोहन पंत प्रेम बल्लभ देवराड़ी आदि मौजूद थे।

बारिश के कारण केदारनाथ से लौटने लगे घोड़े-खच्चर संचालक

रुद्रप्रयाग। केदार घाटी में लगातार हो रही बारिश का असर अब केदारनाथ यात्रा से जुड़े घोड़े-खच्चर संचालन पर भी दिखाई देने लगा है। अपनी आजीविका के लिए केदारनाथ धाम पहुंचे कई घोड़े-खच्चर संचालक अब सामान समेटकर अपने पशुओं के साथ घरों की ओर लौटने लगे हैं। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के बाद क्षेत्र तथा बाहरी जनपदों से करीब आठ घोड़े-खच्चर यहां पहुंचे थे। पशुपालन विभाग में पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही इन्हें यात्रा मार्ग पर संचालन की अनुमति दी गई थी। करीब 50 दिनों तक यात्रा में सेवाएं देने के बाद अब बारिश का दौर शुरू होने से कई संचालकों ने वापसी का निर्णय लिया है। घोड़ा खच्चर संचालक प्रदीप सिंह ने बताया कि करीब 60 प्रतिशत घोड़े-खच्चर गौरीकुंड और केदारनाथ क्षेत्र में हैं जबकि 40 प्रतिशत संचालक अपने पशुओं के साथ लौट रहे हैं। बीते कुछ दिनों से दोपहर बाद हो रही लगातार बारिश और गौरीकुंड, चीरबासा व केदारनाथ मार्ग के संवेदनशील क्षेत्रों को देखते हुए संचालकों ने एहतियातन यह कदम उठाया है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष पिछले वर्षों की तुलना में आर्थिक स्थिति कुछ बेहतर रही है और यात्रा सीजन के दौरान अच्छी आमदनी हुई है। बरसात का दौर कम होने के बाद वे दोबारा अपने घोड़े-खच्चरों के साथ केदारनाथ धाम पहुंचकर यात्रा संचालन शुरू करेंगे।

अगस्त्यमुनि हाईवे पर भीषण हादसा

रुद्रप्रयाग। राष्ट्रीय राजमार्ग पर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब बेंजी गांव जाने वाले मार्ग के पास एक बुलेट बाइक और स्कूटी के बीच भीषण आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश के यात्री केदारनाथ की ओर बुलेट से जा रहे थे, तभी दूसरी दिशा से आ रही स्कूटी से उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई। स्कूटी सवार दिव्यांशु (ग्राम मुसाडुंग) और पायल (ग्राम डांगी गुनाउ), दोनों निवासी जनपद रुद्रप्रयाग, हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग रेफर किया गया। वही, बुलेट सवार मध्य प्रदेश निवासी वेदांत शर्मा और अभय शर्मा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्तमुनि में भर्ती कराया गया। चिकित्सक डॉ. शिवांशु ने बताया कि वेदांत शर्मा के हाथ में फ्रैक्चर हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

रुद्रप्रयाग के प्रियांशु रावत बने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट

नई टिहरी। रुद्रप्रयाग जिले के थाती बड़मा गांव तथा वर्तमान में चौरास, कीर्तिनगर निवासी प्रियांशु रावत भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बन गए हैं। शनिवार को भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) देहरादून में आयोजित पासिंग आउट परेड के बाद उन्होंने सेना में अधिकारी के रूप में कदम रखा। परेड के दौरान उनके माता-पिता ने उनके कंधों पर सितारे सजाए। प्रियांशु के पिता दिलवर सिंह रावत राजकीय शिक्षक संघ टिहरी के जिलाध्यक्ष एवं राजकीय इंटर कॉलेज चौकी डागर, कीर्तिनगर में शिक्षक हैं, जबकि माता मंगला रावत राजकीय इंटर कॉलेज रादूधार, जाखणीधार में शिक्षिका हैं। उनकी प्रारंभिक शिक्षा रेनबो पब्लिक स्कूल श्रीनगर गढ़वाल में तथा कक्षा 6 से 12वीं तक की शिक्षा सैनिक स्कूल घोड़ाखाल में हुई। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और परिजनों को दिया। प्रियांशु के छोटे भाई दिव्यांशु रावत भी भारतीय सेना की इंजीनियरिंग कोर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं और अगले वर्ष उनकी आईएमए पासिंग आउट परेड प्रस्तावित है। प्रियांशु की उपलब्धि पर विधायक विनोद कंडारी, ब्लॉक प्रमुख विनोद बिष्ट, अचला खंडेलवाल, राजकीय शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष राम सिंह चौहान, महामंत्री रमेश पैन्यूली, जयप्रकाश डबराल, सुधाकांत गैरोला, हंसराज बिष्ट, अनिल आर्य, संजय गुसाईं, लोकेंद्र रावत और सुधांशु चौहान ने शुभकामनाएं दी हैं।

आयुर्वेद-यूनानी चिकित्सकों ने किया ओपीडी बहिष्कार

नई टिहरी। राजकीय आयुर्वेद एवं यूनानी चिकित्सा सेवा संघ से जुड़े चिकित्साधिकारियों ने लंबित मांगों के समर्थन में शनिवार से ओपीडी का बहिष्कार शुरू कर दिया। संघ के पदाधिकारियों ने जिला आयुर्वेद एवं यूनानी अधिकारी के माध्यम से निदेशक आयुर्वेदिक एवं यूनानी को ज्ञापन भेजकर समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की है। साथ ही 15 जून से प्रदेशभर में पूर्ण कार्य बहिष्कार शुरू करने की चेतावनी दी। ज्ञापन में कहा गया है कि विभाग में वर्षों से लंबित सेवा संबंधी मामलों के निस्तारण के लिए शासन और विभागीय स्तर पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है जिससे चिकित्साधिकारियों में रोष व्याप्त है। चिकित्सा संवर्ग के लिए स्थायी निदेशक की नियुक्ति करने, लंबित वार्षिक गोपनीय प्रविष्टियां पूर्ण कर आश्वसित कॅरिअर प्रगति योजना और संशोधित आश्वसित कॅरिअर प्रगति योजना का लाभ देने, वर्ष 2022 में स्वीकृत गतिशील आश्वसित कॅरिअर प्रगति योजना लागू करने, विभागीय ढांचे का पुनर्गठन कर पदोन्नति के अवसर बढ़ाने, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए तीन वर्ष का पूर्ण वेतन सहित अध्ययन अवकाश उपलब्ध कराने की मांग की गई। वर्ष 2024 बैच के चिकित्साधिकारियों के स्थायीकरण और मोबाइल अनुप्रयोग आधारित उपस्थिति व आधार आधारित बायोमीट्रिक व्यवस्था में आ रही व्यावहारिक दिक्कतों के समाधान की भी मांग की गई है। कहा गया है कि पर्वतीय और दूरस्थ क्षेत्रों में नेटवर्क व इंटरनेट की समस्या के कारण यह व्यवस्था चिकित्सकों के लिए परेशानी का कारण बन रही है।

महज कुछ फीट ऊंचे ऋषि बैरियर के भरोसे है सुरक्षा

चमोली। बदरीनाथ हाईवे पर कर्णप्रयाग और गौचर के बीच गलनाऊंके पास तीखे मोड़ और तीव्र ढलान के कारण सड़क दुर्घटनाएं थम नही रही हैं। सुरक्षा के नाम पर यहां महज कुछ फीट ऊंचे ऋषि बैरियर लगाए गए हैं और हादसा होने पर वाहन इससे पार होकर सीधे खाई में गिर रहे हैं। स्थिति यह है कि एक पुराना दुर्घटनाग्रस्त ट्रक आज भी यहां नदी किनारे खराब रहा है। हाल ही में बीते 23 मई को यहां एक दोपहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त होने से एक युवक की मौत हो गई थी। 10 जून को फिर से हुए एक हादसे में दो लोग घायल हो गए। स्थानीय निवासी संजय लखेड़ा का कहना है कि यह मोड़ पिछले कई वर्षों से खतरनाक बना हुआ है। शासन-प्रशासन को सूचित करने के बाद भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए। वहीं एआरटीओ अभिषेक भटगांई का कहना है कि यहां पर सुरक्षा के इंतजाम के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों से वार्ता की जाएगी। साथ ही उच्चाधिकारियों को भी मामले से अवगत कराया जाएगा।

निशानेबाज जसपाल राणा के निधन पर शोक में डूबा नैनबाग, बाजार बंद

नई टिहरी। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त निशानेबाज एवं कोच जसपाल राणा के निधन पर नैनबाग क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। नैनबाग व्यापार मंडल ने बाजार बंद रखकर शोक सभा आयोजित की और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। नैनबाग तहसील की जौनपुर सिलवाड़ पट्टी स्थित ग्राम पंचायत टटोर के चिलामू गांव सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों ने उनके निधन को क्षेत्र और प्रदेश की अपूरणीय क्षति बताया। डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत, नरेश कवि बबलू, जगत रमोला, मोहन रावत, प्रदीप कवि और विनोद कवि ने कहा कि जसपाल राणा ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन और संघर्ष से देश व उत्तराखंड का नाम विश्व पटल पर स्थापित किया तथा युवाओं को प्रेरित किया। उन्होंने क्षेत्र के कई युवाओं को शूटिंग में प्रशिक्षित किया, जिनमें से कई आज विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी विभागों में कार्यरत हैं। व्यापार मंडल अध्यक्ष दिनेश तोमर, अजीत कंबोज, नागेंद्र सिंह चौहान, अरविंद कैंतुरा और अजीत रावत ने कहा कि जसपाल राणा क्षेत्र की पहचान थे और उन्होंने देश-दुनिया में नैनबाग का नाम रोशन किया। अंतिम संस्कार में शामिल न हो पाने वाले लोगों ने शोक सभा कर दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

कार में लगी भीषण आग, समय रहते सुरक्षित निकले लोग

अल्मोड़ा। द्वाराहाट-चौखुटिया मोटर मार्ग पर ग्राम बैरती के पास शुक्रवार शाम एक कार में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही द्वाराहाट पुलिस मौके पर पहुंची और आग बुझाने के साथ यातायात व्यवस्था संभालकर बड़ा हादसा टाल दिया। हालांकि कार पूरी तरह जलकर क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार वाहन स्वामी कपिल आर्या ने डायल 112 पर कार में आग लगने की सूचना दी। सूचना मिलते ही कोतवाली द्वाराहाट पुलिस ग्राम बैरती स्थित ग्रीन वैली रेस्टोरेंट के समीप घटनास्थल पर पहुंची। मौके पर वाहन संख्या यूके04एएच-3938 (निसान मैग्नाइट) आग की लपटों में घिरा हुआ था। होटल स्वामी बालम सिंह नेगी और वाहन में सवार लोग आग बुझाने का प्रयास कर रहे थे। कपिल आर्या ने

बताया कि वह भारतीय स्टेट बैंक की गौचर शाखा में कार्यरत हैं। शुक्रवार को बैंक का कार्य समाप्त करने के बाद वह अपने साथियों शुभम और निखिल कोहली के साथ गौचर से हल्द्वानी जा रहे थे। शाम करीब 5:15 बजे ग्रीन वैली रेस्टोरेंट के पास वाहन का क्लच अचानक काम करना बंद कर गया। जांच करने पर इंजन के नीचे आग लगी दिखाई दी।

जोशियाड़ा बैराज पार्क में बढ़ रही असामाजिक गतिविधियां

उत्तरकाशी। उत्तराखंड जल विद्युत निगम के जोशियाड़ा बैराज स्थित सार्वजनिक पार्क में बढ़ रही असामाजिक गतिविधियों पर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने चिंता जताई है। संगठन ने आरोप लगाया कि पर्यटकों और स्थानीय लोगों की सुविधा के लिए विकसित यह स्थल शराब सेवन और अन्य अवांछित गतिविधियों का केंद्र बनता जा रहा है। विहिप जिला अध्यक्ष अजय प्रकाश बडोला ने बताया कि पार्क परिसर में शराब की खाली बोतलें और अन्य आपत्तिजनक सामग्री मिलने से स्वच्छता एवं सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है। सूचना मिलने पर विहिप कार्यकर्ताओं ने पार्क का निरीक्षण कर स्वच्छता अभियान चलाया और परिसर में फैली गंदगी साफ की।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

केन विलियमसन के सन्यास पर विराट कोहली का छलका दर्द

कहा- महानतम बल्लेबाज ने क्रिकेट को अलविदा कहा

नईदिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन ने शुक्रवार (12 जून) को इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया. इसके साथ ही न्यूजीलैंड क्रिकेट में तीनों प्रारूपों में एक युग का अंत हो गया।

विलियमसन इस समय इंग्लैंड में टेस्ट श्रृंखला खेल रहे हैं जिसमें न्यूजीलैंड पहला मैच 115 रन से हार गई थी. विलियमसन पहली पारी में खाता नहीं खोल सके थे और दूसरी में 18 रन पर आउट हो गए थे. ये मैच उनके करियर का आखिरी मैच बन गया। अपने 16 साल के शानदार करियर में विलियमसन ने देश के लिये कुल 378 मैच खेले. जिसमें 110 टेस्ट, 175 वनडे और 93 टी20 मैच शामिल हैं. विलियमसन ने 2025 में ही टी20 प्रारूप से संन्यास ले लिया था।

विलियमसन ने न्यूजीलैंड क्रिकेट द्वारा जारी बयान में कहा, 'मैंने इस पर काफी सोचा और पिछले कुछ दिन से लग रहा था कि यही सही समय है. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिये मेरे भीतर हमेशा मजबूत इच्छाशक्ति और ललक रही है और मुझे इस बात में गर्व है कि न्यूजीलैंड के लिये हर मैच में मैंने अपना सब कुछ दिया है।'

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा , 'हमारे महानतम खिलाड़ियों में से एक विदा हो रहा है. केन विलियमसन ने त्वरित प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का फैसला किया है।'

मजदूर का बेटा बना 'गोल्डन बॉय'

बेटे की कामयाबी देख फफक-फफक कर रोए माता-पिता

करनाल (एजेंसी)। हौंसले के तरकश में कोशिश का वो तीर जिंदा रख, हार जा चाहे जिंदगी में सब कुछ, मगर फिर से जीतने की उम्मीद जिंदा रख. इन पंक्तियों को पूरी तरह सच कर दिखाया है करनाल के सुमित ने. सुमित सीकरी गांव के निवासी हैं. गुजरात के अहमदाबाद में 4 जून से 8 जून 2026 तक 'फर्स्ट वर्ल्ड योगासन चैंपियनशिप' का आयोजन हुआ. इस प्रतियोगिता में सुमित ने अपनी अद्भुत खेल प्रतिभा के दम पर ना केवल देश का परचम लहराया, बल्कि वैश्विक पटल पर भारत और हरियाणा का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज करा दिया।

विश्व मंच पर सुमित का स्वर्णिम प्रदर्शन?- देशभर से आए श्रेष्ठ योगासन खिलाड़ियों के बीच हुए इस कड़े और उच्च स्तरीय मुकाबले में सुमित ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए दो अलग-अलग इवेंट्स में दो गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया. सुमित ने इस विश्व चैंपियनशिप के सीनियर मेल कैटेगरी में अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए दो स्पर्धाओं में देश की झोली में स्वर्ण पदक डाले हैं।

लेग बैलेंस इंडिविजुअल इवेंट (सीनियर मेल कैटेगरी)- अपनी एकाग्रता और शारीरिक संतुलन का लोहा मनवाते हुए सुमित ने पहला स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

मप्र शहडोल के 'मिनी ब्राजील' में फीफा का उत्साह

● खिलाड़ी चाहते हैं ब्राजील बने विश्व विजेता ● भारत को फीफा तक पहुंचाने का संकल्प लिया

भोपाल/शहडोल (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 की शुरुआत 11 जून से हो गई है, जिसे लेकर दुनिया भर के फुटबॉल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह है। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में होने वाले इस महाकुंभ पर करोड़ों निगाहें टिकी हैं। इस वैश्विक रोमांच के बीच मध्य प्रदेश के शहडोल जिले का 'मिनी ब्राजील' गांव विचारपुर भी फुटबॉल के रंग में रंग चुका है। विश्व कप शुरू होने से पहले ही विचारपुर के मैदानों में रौनक बढ़ गई है। गांव के बच्चे और युवा खिलाड़ी अपने पसंदीदा खिलाड़ियों और टीमों पर चर्चा करते नजर आ रहे हैं। यहां के अधिकांश खिलाड़ी ब्राजील का समर्थन करते हैं और उन्हें ही फीफा का विश्व विजेता देखना चाहते हैं। वहीं टीम इंडिया का फीफा तक नहीं पहुंच पाना भी उनके लिए निराशा का विषय है। मिनी ब्राजील के मैदान में फुटबॉल खेल रहे बच्चों का कहना है कि हम आने वाले समय में टीम इंडिया को फीफा तक पहुंचाएंगे। मैदान में खेल रहे कुछ युवा अर्जेंटीना और लियोनेल मेसी के प्रशंसक भी हैं। लेकिन इस उत्साह के बीच एक सवाल भी बार-बार उठता है जब दुनिया फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर उतर रही है, तब भारत अब तक वहां क्यों नहीं पहुंच पाया?

क्यों कहा जाता है विचारपुर को मिनी ब्राजील? – शहडोल मुख्यालय से करीब पांच किलोमीटर दूर स्थित विचारपुर गांव में फुटबॉल केवल खेल नहीं बल्कि जीवनशैली का हिस्सा है। गांव के अधिकांश घरों में कोई न कोई खिलाड़ी फुटबॉल से जुड़ा हुआ है। यहां बच्चे चलना सीखने के साथ फुटबॉल को भी अपनाने लगते हैं।

वर्षों पहले गांव के युवाओं ने फुटबॉल को अपनी पहचान बनाया। धीरे-धीरे यहां से कई खिलाड़ी जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे। महिला खिलाड़ियों ने भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। गांव में फुटबॉल के प्रति इसी जुनून ने इसे मिनी ब्राजील की पहचान दिलाई।

पीएम मोदी ने दिलाई राष्ट्रीय पहचान – विचारपुर को राष्ट्रीय पहचान तब मिली जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2022 में अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में गांव का उल्लेख किया था। पीएम ने गांव की फुटबॉल संस्कृति और यहां के खिलाड़ियों की सराहना की थी। इसके बाद विचारपुर अचानक राष्ट्रीय सुर्खियों में आ गया।प्रधानमंत्री के उल्लेख के बाद कई प्रशासनिक और खेल विभाग के अधिकारी गांव पहुंचे। गांव की पहचान एक फुटबॉल हब के रूप में बनी और यहां के खिलाड़ियों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के अवसर बढ़े। देशभर के मीडिया संस्थानों ने भी गांव की कहानी को प्रमुखता से प्रकाशित किया।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कुंडे बोलीं- फीफा से सीखने का अवसर

जर्मनी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी खिलाड़ी सानिया कुंडे कहती हैं कि फीफा विश्व कप उनके जैसे खिलाड़ियों के लिए सीखने का सबसे बड़ा मंच है ।सानिया कहती हैं, हम लोग सभी मैच देखेंगे । जो खिलाड़ी हमारी पोजीशन पर खेलते हैं, उन्हें देखकर नई तकनीक सीखने को मिलती है । ऐसे कई शॉट्स और मूवमेंट देखने को मिलते हैं जिन्हें सीखने के लिए बहुत उच्च स्तरीय अभ्यास की जरूरत होती है । हम सब ब्राजील को सपोर्ट करेंगे । हमारी कोशिश है कि एक दिन भारत भी फीफा वर्ल्ड कप में खेले ।

महिला टी20 विश्व कप 2026 में

आज चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान का मुकाबला

बर्मिंघम (एजेंसी)। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में क्रिकेट प्रेमियों को शुरुआत में ही बड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान रविवार, 14 जून को बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर ग्रुप-1 के मुकाबले में आमने-सामने होंगे। दोनों टीमें जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करना चाहेंगी।

एजबेस्टन में दिखेगा हाई-वोल्टेज मुकाबला – भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले हमेशा से रोमांच और दबाव से भरे रहे हैं। इन मैचों में आंकड़े और हालिया फॉर्म अक्सर पीछे छूट जाते हैं और खिलाड़ी मानसिक मजबूती की परीक्षा से गुजरते हैं। बर्मिंघम में बड़ी संख्या में दक्षिण एशियाई समुदाय के लोग रहते हैं, जिसके चलते एजबेस्टन में एक बार फिर शानदार माहौल देखने को मिलने की उम्मीद है। स्टेडियम में दोनों टीमों के समर्थकों की भारी मौजूदगी मुकाबले को और खास बना सकती है।

पहली ट्रॉफी की तलाश में भारत – हर्मनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम इस बार पहली बार महिला टी20 विश्व कप खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी। टीम के पास अनुभव और युवा जोश का बेहतरीन मिश्रण मौजूद है। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा भारत की सबसे बड़ी ताकत मानी जा रही हैं। दोनों बल्लेबाज शुरुआती ओवरों में तेजी से रन बनाकर मैच का रुख बदलने की क्षमता रखती हैं।

युवा जोश के साथ उतरेगा पाकिस्तान – पाकिस्तान की कप्तानी फातिमा सना के हाथों में है। उनकी टीम में कई युवा खिलाड़ी शामिल हैं जो बड़े मंच पर खुद को साबित करने के लिए बेताब हैं। हालांकि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत का रिकॉर्ड पाकिस्तान के खिलाफ बेहतर रहा है, लेकिन बड़े टूर्नामेंटों में अक्सर उलटफेर देखने को मिलते हैं। ऐसे में पाकिस्तान भी आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगा।

भारत को माना जा रहा है प्रबल दावेदार

कागजों पर भारतीय टीम अधिक संतुलित और मजबूत नजर आती है । बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में भारत के पास कई मैच विजेता खिलाड़ी मौजूद हैं । हालांकि पाकिस्तान को हल्के में लेना भारत के लिए बड़ी गलती साबित हो सकता है । फातिमा सना की टीम उलटफेर करने और जीत के साथ टूर्नामेंट का आगाज करने के इरादे से उतरेगी ।

शाम 7 बजे से मुकाबला

भारत और पाकिस्तान के बीच महिला टी20 विश्व कप 2026 का मुकाबला 14 जून को भारतीय समयानुसार शाम 7:00 बजे शुरू होगा । मैच का आयोजन एजबेस्टन, बर्मिंघम में किया जाएगा । इस मुकाबले का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा, जबकि लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार पर उपलब्ध रहेगी ।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय शूटिंग टीम घोषित

● मनु भाकर और ईशा सिंह दोनों पिस्टल इवेंट्स में खेलेंगे, पिछले साल 22 मेडल जीते थे

नईदिल्ली (एजेंसी)। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने 20वें एशियन गेम्स के लिए भारत की राइफल और पिस्टल टीम घोषित कर दी है। इसमें 30 खिलाड़ी शामिल हैं। शॉटगन टीम पहले ही चुनी जा चुकी है।

जापान के आईची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होंगे। एशियाड के लिए जारी टीमें अगले महीने हांग्जो में होने वाले आईएसएसएफ वर्ल्ड कप और अक्टूबर में काहिरा (मिस्र) वर्ल्ड कप में भी खेलेंगी।

मनु और ईशा डबल इवेंट्स में खेलेंगी – एनआरएआई की लिस्ट के मुताबिक, पेरिस ओलिंपिक की डबल मेडलिस्ट मनु भाकर और 2022 एशियन गेम्स की स्टार ईशा सिंह 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल दोनों इवेंट्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। राइफल कैटेगरी में रुद्राक्ष बालासाहेब पाटिल और विदर्शा के. विनोद भी दो-दो इवेंट्स में खेलेंगे। एनआरएआई ने बताया कि टीम का चयन हाल ही में हुए नेशनल सिलेक्शन ट्रायल्स 4 के बाद नेशनल रैंकिंग और चयन नीति के आधार पर किया गया है।

फीफा वर्ल्ड कप- इंग्लैंड टीम का सामान चोरी

गाड़ी से ही फुटबॉल-जूते ले गए चोर, कैंसास पुलिस ने 2 संदिग्धों को हिरासत में लिया

फ्लोरिडा (एजेंसी)। फीफा फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 में इंग्लैंड फुटबॉल टीम का सामान चोरी हो गया। यह घटना शुक्रवार को हुई। टीम का सामान फ्लोरिडा में लगे प्री-टूर्नामेंट कैंप से अमेरिका के कैंसास सिटी स्थित स्वोप सॉकर विलेज ले जाया जा रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कैंसास सिटी पहुंचने के बाद टीम के वाहन से सामान गायब मिला। ब्रिटिश मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चोरी हुए सामान में फुटबॉल और खिलाड़ियों के बूट्स शामिल हैं। कैंसास पुलिस ने इस मामले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है। मामले की जांच जारी है। स्वोप सॉकर विलेज कैंसास सिटी में स्थित एक फुटबॉल ट्रेनिंग सेंटर है। इंग्लैंड टीम ने वर्ल्ड कप 2026 के दौरान इसे अपने बेस कैंप और ट्रेनिंग वेन्यू के रूप में चुना है।

स्थानीय पुलिस ने शुरू की जांच, 2 लोग हिरासत में – कैंसास सिटी पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा है कि टीम के वाहन से सामान गायब होने और संभावित चोरी के मामले की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, जांच अभी जारी है। इस मामले में दो संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

ग्रुप-एल में शामिल है इंग्लैंड, 18 जून को पहला मैच – वर्ल्ड कप 2026 में इंग्लैंड की टीम ग्रुप-रु में है। इस ग्रुप में इंग्लैंड के साथ क्रोएशिया, घाना और पनामा की टीमें मौजूद हैं। भारतीय समयानुसार इंग्लैंड की टीम 18 जून को क्रोएशिया के खिलाफ मैच अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करेगी।

9 खिलाड़ी करेंगे मेजर इंटरनेशनल टूर्नामेंट में डेब्यू – थॉमस टचल के कोचिंग में इंग्लैंड की टीम एक नए लुक में नजर आ रही है। इस 26 सदस्यीय टीम में कई नए चेहरों को जगह मिली है। टीम के 9 खिलाड़ी ऐसे हैं, जो पहली बार किसी बड़े इंटरनेशनल टूर्नामेंट में डेब्यू कर सकते हैं। इन नए खिलाड़ियों में इलियट एंडरसन और मॉर्गन रोजर्स भी शामिल हैं।

फीफा वर्ल्ड कप 2026

मेजबान अमेरिका की धमाकेदार शुरुआत, पैराग्वे को 4-1 से हराया

कैलिफोर्निया (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के अपने पहले मुकाबले में मेजबान अमेरिका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पैराग्वे को 4-1 से मात दी। कैलिफोर्निया में खेले गए इस मुकाबले में फ्लोरिन बालोगुन और क्रिश्चियन पुलिसिक ने अमेरिकी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

बालोगुन और पुलिसिक ने बिखेरा जलवा – अमेरिका की ओर से फ्लोरिन बालोगुन ने दो गोल दागे, जबकि स्टार खिलाड़ी क्रिश्चियन पुलिसिक ने पूरे मैच में पैराग्वे की रक्षापंक्ति को परेशान रखा। पुलिसिक ने कई आक्रामक मूव तैयार किए और टीम के आक्रमण की धुरी बने रहे।

सातवें मिनट में मिली बढ़त – मेजबान टीम ने मैच के सातवें मिनट में ही बढ़त हासिल कर ली। पुलिसिक ने शानदार पास देकर वेस्टन मैकेनी को मौका बनाया, जिसके बाद पैराग्वे के खिलाड़ी डेमियन बोबाडिला से आत्मघाती गोल हो गया। इसके बाद 31वें मिनट में पुलिसिक के सटीक क्रॉस पर बालोगुन ने गोल दागकर अमेरिका की बढ़त 2-0 कर दी।

स्टॉपेज टाइम में बालोगुन ने किया कमाल – दूसरे हाफ में भी अमेरिका का दबदबा जारी रहा। मैच के 90+8वें मिनट में बालोगुन ने दो डिफेंडरों को छकाते हुए अपना दूसरा और टीम का चौथा गोल दाग दिया। इस गोल ने अमेरिका की जीत पर मुहर लगा दी।

पैराग्वे की वापसी की कोशिश नाकाम – पैराग्वे ने 73वें मिनट में मॉरिसियो मगाल्हाएस के गोल की बदौलत स्कोर 2-1 किया, लेकिन टीम इसके बाद कोई बड़ा दबाव नहीं बना सकी। अमेरिकी खिलाड़ियों ने मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखी और विपक्षी टीम को वापसी का मौका नहीं दिया।

सिंधु ऑस्ट्रेलियन ओपन का सेमीफाइनल हारीं

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु का ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में सफर समाप्त हो गया है। महिला सिंगल्स के सेमीफाइनल मुकाबले में सिंधु को जापान की वर्ल्ड नंबर-3 अकाने यामागुची के हाथों सीधे गेमों में 20-22, 12-22 से करारी हार झेलनी पड़ी। पहले गेम में कड़ी टक्कर देने के बाद सिंधु दूसरे गेम में पूरी तरह अपनी लय खो बैठीं और मुकाबला गंवा दिया। इस जीत के साथ ही टॉप सीड अकाने यामागुची ने बीडब्ल्यूएफ टूर पर लगातार अपने चौथे फाइनल में जगह बना ली है। वहीं पिछले दो साल से खराब फॉर्म और चोट से जूझने के बाद वापसी की कोशिशों में जुटीं सिंधु का इस साल का पहला खिताब जीतने का सपना एक बार फिर टूट गया।

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में के लिए भारतीय टीम का ऐलान, पीवी सिंधु करेंगी अगुवाई

अगस्त में होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 में स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु 10 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी। नई दिल्ली में 17 से 23 अगस्त तक होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 के लिए ग्लोबल फेडरेशन ने क्वालिफिकेशन सूची में पूर्व चैंपियन पीवी सिंधु सहित 10 खिलाड़ियों को जगह मिली है। भारत

की ओर से पांच स्पर्धाओं में कुल 10 लोगों को जगह मिली हैं, जिनमें पुरुष डबल्स की जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी देश के सबसे ऊंची रैंकिंग वाले दावेदार के तौर पर शामिल हैं। पीवी सिंधु ने बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन के क्वालिफिकेशन नियमों के तहत मेजबान देश की प्रतिनिधि के तौर पर महिला एकल ड्रॉ में अपनी जगह पक्की की। 28 अप्रैल की वर्ल्ड बैडमिंटन रैंकिंग पर आधारित इस क्वालिफिकेशन सूची में पुरुष और महिला एकल में 64-64 खिलाड़ी और हर युगल स्पर्धाओं में 48-48 जोड़ियां शामिल हैं। वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में हर कैटेगरी में भारत के दो खिलाड़ी सीधे एंट्री करेंगे।

पुरुष एकल में लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी ने क्वालिफाई किया है, जबकि महिला सिंगल्स में सिंधु के साथ उभरती हुई खिलाड़ी उन्नति हुड्डा शामिल हैं। भारत की सबसे अच्छी रैंकिंग वाली एंट्री पुरुष डबल्स जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की है, जिन्होंने कुल मिलाकर चौथी रैंकिंग के साथ क्वालिफाई किया। हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन ने भारत के लिए पुरुष डबल्स में दूसरी जगह पक्की की।

क्वालिफाई करने वाली जोड़ियों में 30वें स्थान पर मौजूद ट्रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद, कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी के साथ महिला डबल्स में भारत की चुनौती पेश करेंगी। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने 21वें स्थान पर क्वालिफाई किया, जबकि रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे ने भारत के लिए दूसरी जगह हासिल की। कई भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी रिजर्व लिस्ट में भी शामिल हैं, जिनमें पुरुष एकल में वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय, और महिला एकल में तन्वी शर्मा, अनमोल खरब, मालविका बंसोड़ और तस्नीम मीर शामिल हैं।

बीडब्ल्यूएफ ने कहा कि सभी पांच कैटेगरी में मौजूदा चैंपियन ने अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है। चीन के पुरुष एकल चैंपियन शी यू की, दक्षिण कोरिया के पुरुष युगल विजेता किम वॉन हो और सियो सेउंग जे, और चीन की महिला युगल चैंपियन लियू शेंग शू और टैन निंग - ये सभी अपने-अपने इवेंट्स में टॉप-रैंक वाले खिलाड़ियों के तौर पर क्वालिफाई हुए। जापान की अकाने यामागुची, जो मौजूदा विमेंस सिंगल्स चैंपियन हैं, तीसरे नंबर पर क्वालिफाई हुईं, जबकि मलेशिया के मौजूदा मिश्रित युगल चैंपियन चेन तांग जी और तोह ई वेई चौथे नंबर पर क्वालिफाई हुए।